संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 81 मंगलवार 21 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

आरजी कर हॉस्पिटल रेप-मर्डर केस,दोषी संजय रॉय को उम्रकैद

कोलकाता,20 जनवरी 2025(ए)। पश्चिम बंगाल की सियालदह अदालत ने आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

पिता की लाश को दफनाने नहीं देने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा युवक

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025(ए)। उच्चतम न्यायालय ने एक ईसाई व्यक्ति द्वारा दायर उस याचिका पर छत्तीसगढ़ सरकार को फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया जिसमें उसने आरोप लगाया है कि वह छिंदवाड़ा गांव में अपने पादरी पिता को दफनाने में असमर्थ है, क्योंकि लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया है तथा पुलिस ने उसे कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है।

सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़,1 जवान शहीद

सोपोर,20 जनवरी 2025(ए)। जम्मू कश्मीर के सोपोर में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान घायल हुआ जवान सोमवार (20 जनवरी 2025) को शहीद हो गया।

अतुल सुभाष की मां को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

» निकिता सिंघानिया के पास ही रहेगा एआई इंजीनियर का बेटा

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025(ए)। पत्नी के कथित उत्पीड़न के कारण अपनी जान देने वाले बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की मां को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अतुल सुभाष की मां की मांग ठुकरा दी और कहा कि उनका 4 वर्षीय बेटा अपनी मां निकिता सिंघानिया के पास ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अतुल सुभाष की मां को बच्चे की कस्टडी की मांग के लिए निचली अदालत जाने की छूट दी है।

9 दिसंबर को किया था सुसाइड

34 वर्षीय अतुल सुभाष का शव पिछले साल 9 दिसंबर को बेंगलुरु के मुन्नेकोलालु में अपने घर में फंदे से लटका मिला था। अतुल ने अपनी पत्नी और ससुराल वालों को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का दोषी ठहराया था। अतुल ने सुसाइड से पहले 90 मिनट

का एक वीडियो बनाया और 40 पन्नों का एक सुसाइड नोट लिखकर अपने दुख को बयां किया था। अतुल सुभाष और निकिता की शादी 2019 में हुई थी। दोनों को 2020 में एक बेटा भी हुआ। अतुल सुभाष बिहार का रहने वाला था जबकि निकिता यूपी के जौनपुर जिले की रहने वाली है।

निकिता के साथ सुरक्षित नहीं है बच्चा:अतुल सुभाष की मां

अतुल की मां अंजू देवी ने अपने 4 साल के पोते को खुद को सौंपने की मांग की थी। याचिका में अतुल सुभाष की मां ने कहा था कि निकिता और उसके परिवार ने अतुल को झूठे केस में फंसाकर पैसे के लिए परेशान किया। इसके चलते उसे सुसाइड करना पड़ा। अब निकिता सिंघानिया का परिवार बच्चे को खोजने में बाधा डाल रहा है। उसके साथ अतुल का बेटा सुरक्षित नहीं है।

कोर्ट ने बेटे को वीसी के जरिये पेश करने का दिया था निर्देश

इससे पहले अतुल सुभाष की पत्नी को कोर्ट ने निर्देश दिया था कि वह अपने नाबालिग बेटे को आंधे घंटे के अंदर कोर्ट में पेश करें। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने अतुल की अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया की ओर से पेश वकील से कहा था कि वह वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बच्चे को पेश करें।

किसानों का दिल्ली कूच फिलहाल टला

» पंधेर ने केंद्र से 14 फरवरी से पहले चंडीगढ़ में मीटिंग करने को कहा

पटियाला ,20 जनवरी 2025(ए)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर से किसानों का दिल्ली कूच फिलहाल टाल दिया गया है। किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण सिंह पंधेर ने सोमवार को शंभू बॉर्डर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

पंधेर ने कहा कि केंद्र सरकार को 14 फरवरी से पहले किसानों के साथ बैठक करनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि यह बैठक चंडीगढ़ की बजाय दिल्ली में होनी चाहिए। इससे पहले सुबह पंधेर ने कहा था कि किसान दिल्ली कूच करेंगे। केंद्र सरकार किसानों में फूट डालने की कोशिश कर रही है। केंद्र ने किसानों को 14 फरवरी को चंडीगढ़ में बातचीत का न्योता दिया था।

फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी कानून समेत अन्य मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने आज (20 जनवरी) पंजाब-हरियाणा समेत देशभर में लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के आवास का घेराव करने का ऐलान किया था। हालांकि, केंद्र से बातचीत का न्योता मिलने के बाद स्यरू ने इस कार्यक्रम में बदलाव किया है। अब किसान घेराव करने की बजाय ई-मेल के जरिए सांसदों को अपनी मांगों का ज्ञापन भेजेंगे।

स्यरू ने यह भी घोषणा की है कि 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाले जाएंगे। स्यरू नेता दर्शनपाल सिंह ने कहा था कि सांसदों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक संदेश भेजने का प्रयास किया जाएगा, ताकि किसानों से जल्द बातचीत शुरू हो सके। केंद्र सरकार के बातचीत के न्योते के बाद किसानों ने फिलहाल दिल्ली कूच का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है, लेकिन वे अपनी मांगों पर अडिग हैं और सरकार से जल्द बातचीत शुरू करने की मांग कर रहे हैं।

अपनी पॉपुलैरिटी से परेशान हुए ये चर्चित चेहरे

» कैमरे के सामने जाहिर की नाराजगी

प्रयागराज,20 जनवरी 2025(ए)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ मेले का आगाज हो गया है। जिसका समापन 26 फरवरी, 2025 को होगा। इस भव्य मेले देश -विदेश से लाखों करोड़ों की संख्या में लोग पहुंचे हैं। इस पर्व में दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु, साधु-संत और योगी शामिल हुए। वहीं इस बीच महाकुंभ में कुछ ऐसे चेहरे भी नजर आए जो सोशल मीडिया में काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। जिसे लेकर लोगों के बीच भी खूब चर्चा हो रही है। लेकिन अब वे इससे तंग आ चुके हैं और अब कैमरे के सामने आने से बच रहे हैं।

इनमें सबसे पहले नाम आता है साध्वी हर्षा रिछारिया का। हर्षा निरंजनी अखाड़े की छावनी में रथ पर नजर आई थीं, जिसके बाद वह सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई, लेकिन अब हर्षा ने

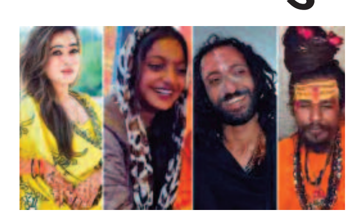

परेशान होकर महाकुंभ छोड़ने का फैसला कर लिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर फूट-फूटकर रोते हुए ट्रोलर्स पर गंभीर आरोप लगाए।

माला बेचने वाली मोनालिसा

दूसरी ओर, माला बेचने वाली मोनालिसा को यूट्यूबर्स और भीड़ ने इतना परेशान कर दिया कि उसने मास्क और चश्मा पहनकर बाहर निकलना शुरू कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोनालिसा को धमकियां भी मिलीं, जिसके चलते उसे महाकुंभ छोड़ना पड़ा।

चिमटा वाला बाबा ने यूट्यूबर को पीटा

वहीं, चिमटे वाले बाबा का गुस्सा भी चर्चा का विषय बना हुई है। एक यूट्यूबर से हुई बहस के बाद बाबा ने नाराज होकर उसे कान पर मार दिया। बाबा ने आरोप लगाया कि यूट्यूबर्स और मीडिया ने उनकी छवि खराब की है। इसी बीच, आईआईटीयन बाबा के नाम से मशहूर अभय सिंह उर्फ मसानी गोरख की भी हरकतें चर्चा में हैं। जूना अखाड़ा ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा कि वह साधु नहीं हैं और अखाड़े का नाम खराब कर रहे थे, उन्हें अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया है।

आलोचनाओं का सामना करना मुश्किल

महाकुंभ में आए इन चेहरों ने पहले सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन अब उनकी परेशानियां भी सामने आ रही हैं। यह घटना बताती है कि शोहरत के साथ जिम्मेदारियों और आलोचनाओं का सामना करना कितना मुश्किल हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025(ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली। अदालत ने उनके खिलाफ दायर मानहानि मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़ा यह मामला है। अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी के लिए मानहानि का मामला रद्द करने संबंधी राहुल गांधी की याचिका पर एससी में आज सुनवाई हुई। इसे लेकर अदालत ने झारखंड सरकार और स्थानीय भाजपा नेता को नोटिस जारी किया है।

बढ़ गए पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025(ए)। सुबह-सुबह आम आदमी को एक बार फिर महंगाई का मार लगी है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में खाने-पीने के चीजों के दाम तो दूर अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आग लगी हुई है। इसी बीच अब पाकिस्तान की जनता को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। वहां की सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इस संबंध में पाकिस्तान सरकार के वित्त मंत्रालय ने आदेश जारी कर दिया है।

महाकुंभ में लगी सनातन की फौज

» 1500 संन्यासियों को मिली नागा की दीक्षा

» गंगा में लगाई 108 डुबकियां

प्रयागराज,20 जनवरी 2025(ए)। प्रयागराज महाकुंभ का श्रृंगार हैं, यहां सेक्टर 20 में मौजूद सनातन धर्म के ध्वज वाहक 13 अखाड़े. महाकुंभ नगर में जन आस्था के केंद्र इन अखाड़ों के नागा संन्यासियों की फौज में नई भर्ती का सिलसिला शुरू हो गया है।

गंगा के तट पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अवधूतों को नागा दीक्षा की प्रक्रिया शुरू हो गई। संन्यासी अखाड़ों में सबसे अधिक नागा संन्यासियों वाला अखाड़ा श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा है, जिसमें निरंतर नागाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जिसके विस्तार की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई।

नागा संन्यासियों की फौज ने ली दीक्षा

भगवान शिव के दिगंबर भक्त नागा संन्यासी

महाकुंभ में सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं और यही वजह है शायद कि महाकुंभ में सबसे अधिक जन आस्था का सैलाब जूना अखाड़े के शिविर में दिखता है। अखाड़ों की छावनी की जगह सेक्टर-20 में गंगा का तट इन नागा संन्यासियों की उस परंपरा का साक्षी बना, जिसका इंतजार हर 12 साल में अखाड़ों के अवधूत करते हैं।

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय मंत्री महंत चैतन्य पुरी ने बताया कि शनिवार को नागा दीक्षा की शुरुआत हो गई है। पहले चरण में 1,500 से अधिक अवधूतों को नागा संन्यासी की दीक्षा दी जा रही है। नागा संन्यासियों की संख्या में जूना अखाड़ा सबसे आगे है, जिसमें अभी 5.3 लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं।

9 साल के बच्चे को कुत्तों ने नोंच-नोंच कर मार डाला

पटियाला,20 जनवरी 2025 (ए)। पूरे पंजाब में ऐसा कोई शहर या जिला नहीं है जहां आवारा कुत्ते लोगों के खौफ की वजह न बन रहे हों। कुछ दिन पहले ही जालंधर में एक बुजुर्ग महिला पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था वहीं अब पटियाला में तो दिल दहला देने वाली घटना हुई है। यहां नाभा के गांव ढींगी में 10 से अधिक आवारा कुत्तों ने 9 साल के बच्चे को इतना नोंचा कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

शिवम के परिवार वाले खेतों में मजदूरी का काम करते हैं। अचानक आवारा कुत्तों के एक झुंड ने बच्चे शिवम को घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। जब तक आसपास के लोग बच्चे की मदद के लिए पहुंचे, तब तक कुत्ते उसे बुरी तरह जख्मी कर चुके थे।

सैफ अली खान पर हमला करने वाले शहजाद को लेकर हुआ बड़ा खुलासा

मुंबई,20 जनवरी 2025 (ए)। अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी शहजाद को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था। आरोपी के अनुसार वह जिला के साथ ही नेशनल स्तर पर भी कुश्ती लड़ चुका है।आरोपी शहजाद ने पुलिस को बताया की वो बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था और कम भार वर्ग में कुश्ती खेलता था। आरोपी जिला स्तर और नेशनल चैंपियनशिप में अपना दम खम दिखाता था। कुश्ती का खिलाड़ी होने की वजह से वह सैफ अली खान पर हमला करने में कामयाब रहा। आरोपी शहजाद को लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच ने यह भी बताया कि सैफ पर हमले के बाद उसने 3 से 4 बार अपने कपड़े बदले थे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी लगातार घूम रहा था। वह बांद्रा स्टेशन गया। वहां से दादर,वर्ली, अंधेरी और फिर ठाणे चला गया।

रहस्यमय मौतों की संख्या बढ़कर 17 हुई

झरने को किया गया सील

जम्मू,20 जनवरी 2025(ए)। जम्मू-कश्मीर के एक बुधल गांव में तीन परिवारों के 17 सदस्यों की रहस्यमयी बीमारी से मौतों की चल रही जांच के बीच, अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र में एक झरने को सील कर दिया है। झरने (बावली) से लिए गए पानी में कुछ कीटनाशकों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। इस वजह से लोग सहमे हुए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त (कोटरांका उपखंड) दिल मीर ने एक आदेश में कहा, बुधल गांव के झरने (बावली) से लिए गए पानी के नमूनों में कुछ कीटनाशकों की पुष्टि हुई है। बावली को पीएचई (जल शक्ति) डिवीजन राजौरी ने अवरुद्ध

कर दिया है और संबंधित मजिस्ट्रेट ने सील कर दिया है। ऐसी आशंका है कि गांव की आदिवासी आबादी चोरी-छिपे इस झरने के बहते पानी को इकट्ठा कर सकती है। इसलिए तहसीलदार खवास यह सुनिश्चित करें कि कोई भी ग्रामीण किसी भी हालत में इस बावड़ी के पानी का उपयोग न करे। बावड़ी की घेराबंदी कर दी गई है।

दिल मीर ने राजौरी जिले के बुधल गांव की घेराबंदी करने और वहां 24 घंटे 2 से 3 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का निर्देश दिया है, ताकि बावली के पानी का उपयोग पूरी तरह से रोका जा सके।

संपादकीय

एचएमपीवी वायरस की दहशत

कर्नाटक में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस यानी एचएमपीवी के दो मामलों की पुष्टि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार तीन महीने की बच्ची को ब्रोंकोन्यूमोनिया की शिकायत थी, जांच में एचएमपीवी संक्रमित होने का पता चला। दूसरा आठ महीने का शिशु इससे संक्रमित पाया गया। हालांकि दोनों मरीजों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा का कोई इतिहास नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान आंकड़ों से पता चला गंभीर तीव्र सन बीमारी के मामले में कोई असामान्य वृद्धि नहीं पाई गई।सरकार की संक्रमण के मामलों पर गंभीर नजर बताई जा रही है। कोविड-19 महामारी के विश्व को चपेट में लेने के पांच सालों बाद एचएमपीवी वायरस के चीन में तेजी से फैलने की खबरों की दहशत के असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट आ गई। एचएमपीवी संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने से यह वायरस फैल रहा है। संक्रमित के खांसने-छींकने, छूने और हाथ मिलाने से यह बढ़ रहा है। इस संक्रमण की खोज 2001 में की जा चुकी है। यह रेस्पेरेटरी संकाइटियल वायरस के साथ न्यूमोविरिडे का भी हिस्सा बताई जा रही है। चीन समेत नीदरलैंड, फिनलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में 2023 में इसके संक्रमित मिल चुके हैं। भारत सरकार का कहना है कि मौसम को देखते हुए यह स्थिति असामान्य नहीं है। सरकार ने वायरस की गंभीरता को भांपते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन से चीन की स्थिति के विषय में अपडेट देने को भी कहा है। विशेषज्ञ इसे अभी जानलेवा वायरस नहीं बता रहे हैं जो छोटे बच्चों में आम है। जिन्हें अस्थमा है या फेफड़ों से संबंधी कोई गंभीर बीमारी है, उन्हें चेतावनी दी गई है। इससे बचाव के लिए लगातार हाथ धोने, मास्क पहनने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन की सलाह दी जा रही है।एंटी वायरल दवाएं बगैर चिकित्सकीय सलाह के लेने के प्रति चेतावनी भी दी गई है। कोविड संक्रमण से खौफजदा लोगों में आकस्मिक भय व्याप्त है, जिसे दूर करने की जिम्मेदारी मीडिया और चिकित्सकों को गंभीरता से निभानी चाहिए।शेयर बाजार का गिरना और कोविड की पुरानी तस्वीरों/वीडियो को वायरल कर दहशत फैलाने वालों को भी चेतावनी दी जानी चाहिए।

डॉक्टर और कंपनियों का कपट जाल:दवाओं की कीमत में उछाल

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

डॉक्टर बनवाते ब्रांड,38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए

नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फ़ार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फ़ार्मेसियों में बिल्कुल एक ही क़ीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, की दवाओं की कीमतें फ़ार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फ़ार्मेसी को चुनते हैं। यही नहीं दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रूपये का इंजेक्शन बारह हज़ार में न खरीदना पड़े। हर्बल दवाइयों और ओवर-द-काउंटर दवाइयों के प्रकार जो फ़ार्मेसी के अलावा अन्य दुकानों, जैसे सुपरमार्केट और कियोस्क में बेची जा सकती हैं, उनकी की कीमतों में बदलाव की अनुमति सरकार से हो। ये कीमतें पूरी तरह से स्टोर द्वारा निर्धारित की जाती हैं,इसलिए आपको एक स्टोर से दूसरे स्टोर में कीमतों में अंतर का अनुभव होता है।

देश में दवाओं की क़ीमत सरकार नहीं बल्कि डॉक्टर खुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं। क़ीमत फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज़ एक एग्जाम्पल है, ऐसा तमाम दवाओं में किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं, 20 साल में 40 हज़ार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के पास पहुँच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएँ बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से ही एमआरपी तय करवा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार डॉक्टर दवाओं के रेट तय नहीं करते। दवाओं के रेट, दवा बनाने वाली कंपनियाँ तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को अच्छा मुनाफ़ा होता है।

ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज़्यादा से ज़्यादा 20-25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएँ सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुज़रना पड़ता। दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए. दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, ब्रैंड का नाम, मैन्युफ़ैक्चरर की जानकारी, मैन्युफ़ैक्चरिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए, डॉक्टर या फ़ार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है। मगर जो दवाएँ सरकार के कंट्रोल से बाहर, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है। आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है।

सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंडर में लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है, लेकिन सैकड़ों फॉर्मूले की दवाएँ आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, जिसकी एमआर पी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही एमआरपी बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कंपनियाँ प्रोडक्ट्स का नाम बदलकर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियाँ अलग डिवीजन और ब्रांड बदलकर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं।

फार्मा फैक्ट्रियों से ही देश में दवाएँ सप्लाई की जाती हैं। कंपनियों और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियाँ अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ़ दवाएँ बनाने को तैयार हो जाती है, बल्कि मनमानी क़ीमत भी तय कर देती है। यही नहीं इन कंपनियों से मोबाइल पर ही डील हो जाती है। तभी तो देश भर में डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएँ बनवा ही रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे है। डॉक्टर और हॉस्पिटल तो खुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए तो मार्जिन बढ़ जाएगा, लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियाँ तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएँ हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाक़ी मेडिसिन पर कोई ख़ास निगरानी नहीं है।

ये एक गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियाँ ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं।

नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फ़ार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फ़ार्मेसियों में बिल्कुल एक ही क़ीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, की दवाओं की कीमतें फ़ार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फ़ार्मेसी को चुनते हैं। यही नहीं दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रूपये का इंजेक्शन बारह हज़ार में न खरीदना पड़े।

हर्बल दवाइयों और ओवर-द-काउंटर दवाइयों के प्रकार जो फ़ार्मेसी के अलावा अन्य दुकानों, जैसे सुपरमार्केट और कियोस्क में बेची जा सकती हैं, उनकी की कीमतों में बदलाव की अनुमति सरकार से हो। ये कीमतें पूरी तरह से स्टोर द्वारा निर्धारित की जाती हैं, इसलिए आपको एक स्टोर से दूसरे स्टोर में कीमतों में अंतर का अनुभव होता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो

संजीव ठाकुर
रायपुर छत्तीसगढ़,

पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो,उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं।मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। पंचतंत्र तथा हितोपदेश इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सदुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है।

इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

कविता
आत्मान्वेषण

घटती-घटना
प्रिया देवांगन प्रियु
राजिम,गरियाबंद,छ.ग.

कर्म सदा कर ऐसा मानव,बने पृथक पहचान।
जहाँ-जहाँ पग पड़े तुम्हारे,हो जग में सम्मान।।
अंतर्मन में कला छुपी है,उसको जरा उकेर।
मानव जीवन फिर ना मिलता, कर मत अब तू देर
देह गढ़ा प्रभु ने मानव का,रखा छुपा कर बीज।
ढूँढ सके तो ढूँढ स्वयं में, उन्नतिदायक चीज
बीज मिले गर अपने भीतर, धीरे-धीरे सींच।
विकसित होंगी नई कोंपलें,मन की गति ना भींच
बेमतलब की होंगी बातें, खींचेंगे सब पैर।
कपट भाव से लोग हँसेंगे,और करेंगे बैर।।
खाना पीना सोना उठना, पशु-पक्षी का काज।
अपने भीतर की प्रतिभा को,ढूँढ ज़रा तू आज
अमरबेल सा नहीं उलझना, करें लोग उपहास
मुफ्त मिला है तुझे खज़ाना, करना अथक प्रयास
बहरा मेंढक बन कर मानव,अंतस के पट खोल
छुपा सीप में रहता मोती,प्रतिभा छुपी टटोल
अंत काल तक साथ रहेगी,कला एक वरदान
मानव तथ्य समझ ना पाता,बनता है नादान
कार्य सफलता कुंजी खोले,चमक उठे हर शाम
बात प्रियू की अगर मान ली,अमर रहेगा नाम

जाति की गलीज(गंदगी)...डोली लेके आजा

जयंती खुटे
चिल्हाटी बिलासपुर छत्तीसगढ़

मस्कार दोस्तों...सबसे पहले तो ये कहना चाहूंगी कि जाति कि गलीज(गंदगी) दिल- ओ- दिमाग़ में न पाले, दोस्तों ऐसा क्यूं होता है कि अगर कोई आगे बढ़ना चाहता है, समाज के हित में रहकर समाज के लिए कुछ अच्छा करना चाहता है, उसे ही लोगों द्वारा मरने पर मजबूर किया जाता है...कई लोग खड़े रहते हैं पीछे खींचने के लिए ताकि जो अपने बलबूते पे जो खड़े हैं वो लड़खड़ा कर अपना दम तोड़ दे।जी हां दोस्तों मैं बात कर रही हूं, भैया अरविंद कुर्रे कृत छत्तीसगढ़ी पारिवारिक फिल्म डोली लेके आजा की इस फिल्म के गीतों ने ट्रेलर में ही पूरे छत्तीसगढ़ में धूम मचाया है प्रेम से ओत-प्रोत फिल्म भी जबरदस्त है। बोले तो हाऊसफुल फ़िर... कई जगह फिल्म कि पोस्टर फाड़े जा रहे हैं कहीं जला दिए जा रहे हैं जो की बेहद शर्मनाक बात है, ऐसा करने वाले अपने ही विचारों को प्रदर्शन करते हैं की वो कैसे व्यक्तित्व के हैं।

एक तो खुद कुछ अच्छा किसी के लिए कर नहीं सकते,तो उसको कोई हक नहीं बनता कि इस तरह की वाहियात काम करें...

जिन्होंने फिल्म बनाया है उनकी गलती क्या है?

क्या अस्पताल खोलने की बात चुभ गई?

क्या जाति बीच में आ गई?

दोस्तों समाज के हर एक व्यक्ति को समाज के हित के लिए सोचना चाहिए....जो आगे बढ़ रहा है, समाज के लिए कुछ अच्छा करना चाह रहा है तो उसका साथ दे, सपोर्ट करें, ताकि फिर से वो अच्छे कामों के प्रति

अग्रसर रहें। किसी को नीचा दिखाकर आप खुद अपना परिचय देते हैं,दोस्तों डोली लेके आजा फिल्म की पोस्टर फाड़कर, जलाकर रौंदा नहीं है...बल्कि अपने दिमाग़ में जो जाति की गलीज (गंदगी) भरी हुई है न उसको परोसा है। आपने समाज के सामने, ऐसी भी किसी से क्या दुश्मनी जो इंसान को चैन से जीने दिया ही न जाए, बंद करिए ये सब जाति को लेकर बखेड़ा खड़ा न करे,आप सब से विनती है कि.... कभी किसी को जाति को लेकर अपशब्द न बोले कभी भी नीचा न दिखाएं..... एक बार फ़िर कहूंगी फिल्म डोली लेके आजा ने पूरे छत्तीसगढ़ में गिर्दाब मचाया है... इंतज़ार है डोली लेके आजा 2 की।

औषधीय पौधा है ऑक

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

कुछ पेड़-पौधे ऐसे हैं जिनसे हम कई चमत्कारिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इन पेड़ों-पौधों में आक का पौधा भी शामिल है। आक एक औषधीय पौधा है। इसको मदार,आक,अर्क और अकौआ भी कहते हैं। इसे जानवर भी नहीं खाते है। यह बंजर भूमि में भी आसानी से उग आता है। इसके फल से गर्म तासीर की कोमल चिकनी रूई निकलती है। इसमें विषाक्त दूध भरा होता है।इसका वृक्ष छोटा और छत्तादार होता है। पत्ते बरगद के पत्तों समान मोटे होते हैं। हरे सफेदी लिये पत्ते पकने पर पीले रंग के हो जाते हैं। इसका फूल सफेद छोटा छत्तादार होता है। फूल पर रंगीन चित्तियां होती हैं। फल आम की तरह होते हैं जिनमें रूई निकलती है। आक की शाखाओं में दूध निकलता है। वह दूध विष का काम देता है। आक गर्मी के दिनों में रेतिली भूमि पर होता है। चैमासे में पानी बरसने पर सूख जाता है। दुर्गम रेतीले टीलों में जहां मीलों दूर तक पेड़ की छांव नसीब नहीं होती हैं। उन जगहों पर आक का पौधा खूब फलता फूलता हैं। राजस्थान के थार मरूस्थल के अलावा आक का पौधा दक्षिण मध्य भारत के गर्म और शुष्क वातावरण में खुले और समतल मैदानों में पाया जाता हैं। आक के पत्ते मोटे और चिकने होते हैं तथा पत्तों के पृष्ठ भाग पर हल्का सफेद आवरण होता हैं जो कि हाथ से रगड़ने पर उतर जाता हैं। आक का पौधा प्राय हर मौसम मे हरा भरा रहने के कारण यह रेगिस्तान का सदाबहार पौधा कहलाता हैं।आक चार प्रकार के होते हैं (1) श्वेतार्क अर्थात सफेद आक (2) रक्तार्क व लाल आक (3) लाल आक का ही दूसरा प्रकार है जो ऊंचाई में सबसे छोटा और सबसे विषैला होता है (4) पर्वतीय आक। यह पहाड़ी आक पौधे के रूप में नहीं, बेल के रूप में होता है जो उत्तर भारत में बहुत कम किन्तु महाराष्ट्र में पर्याप्त मात्रा में होता है। लाल जाति का आक सर्वत्र सुलभता से प्राप्य है। गुणों की दृष्टि से औषध के रूप में दोनों प्रकार के आकों का प्रयोग होता है। दोनों में कुछ समान गुण भी मिलते हैं किन्तु श्वेत अर्क में अधिक उत्तम गुण होने से आयुर्वेद में यह वनस्पति दिव्य औषध मानी जाती है। लाल आक इसके समान तो नहीं किन्तु यह भी गुणों का भंडार है। जितना लाभ इस पौधे से वैद्यों और भारतीय चिकित्सकों ने तथा रसायनशास्त्रियों ने पहले उठाया था उतना किसी द्वितीय औषध से नहीं उठाया। आक भारत का एक प्रसिद्ध पौधा है जो आयुर्वेद के शास्त्रों में जानी मानी औषधी है। जिसे छोटे-छोटे वैद्य तथा ग्रामीण अनपढ लोग भी जानते हैं और औषध रूप में प्रयोग भी करते हैं। भारत में आक के पौधे सब स्थानों पर मिलते हैं पर ऊंचे पर्वतों पर ये नहीं मिलते। आक का पौधा चार फीट से लेकर पन्द्रह फीट तक की ऊंचाई में देखने को मिलता है। यह ऊंची शुष्क मरुभूमि में अधिक होता है। ऊसर भूमि में उत्पन्न होने के कारण अरबी में इसको ऊसर कहते हैं। आक के पौधे शुष्क, उसर और ऊंची भूमि में प्रायः सर्वत्र देखने को मिलते हैं। इस वनस्पति के विषय में साधारण समाज में यह भ्रान्ति फैली हुई है कि आक का पौधा विषैला होता है। यह मनुष्य को मार डालता है। इसमें किंचित सत्य जरूर है क्योंकि आयुर्वेद संहिताओं में भी इसकी गणना उपविषों में की गई है। यदि इसका सेवन अधिक मात्रा में कर लिया जाये तो, उल्टी दस्त होकर मनुष्य की मृत्यु हो सकती है। इसके विपरीत यदि आक का सेवन उचित मात्रा में, योग्य तरीके से चतुर वैद्य की निगरानी में किया जाये तो अनेक रोगों में इससे बड़ा उपकार होता है। आक के पौधों का सबसे बड़ा फायदा है कि उनसे हमें ऑक्सीजन गैस प्राप्त होती है। इसके अलावा प्राकृतिक दृष्टिकोण से भी पेड़-पौधों का सर्वाधिक महत्व है। इनके बिना वातावरण को सन्तुलित किया ही नहीं जा सकता। हर परिस्थिति में हरियाली हमारे लिए फायदेमंद ही है। इन फायदों के साथ ही शास्त्रों के अनुसार कई धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व भी बताए गए हैं। ज्योतिष के अनुसार जिस घर के सामने या मुख्यद्वार के समीप आकड़े का पौधा होता है उस घर पर कभी भी किसी नकारात्मक शक्ति का प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा वहां रहने वाले लोगों को तांत्रिक बाधाएं कभी नहीं सताती। घर के आसपास सकारात्मक और पवित्र वातावरण बना रहता है जो कि हमें सुख-समृद्धि और धन प्रदान करता है। ऐसे लोगों पर महालक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है और जहां-जहां से लोग कार्य करते हैं वहीं से इन्हें धन लाभ प्राप्त होता है। आक का सूर्य से विशेष सम्बन्ध है। गर्मी में जब पृथ्वी सूर्य के निकट आ जाती है और सूर्य की भयंकर गर्मी से तपने और जलने लगती है, जोहड़, तालाब, बावड़ी सब का जल सूख जाता है। बड़ वृक्ष सूखने लगते हैं, तब यही पौधा है जो मरुभूमि में भी खूब फलता और फूलता है। यह आग्नेय प्रधान पौधा उस भयंकर उष्णकाल में खूब हरा भरा रहता है। शास्त्रों अनुसार आंकड़े के फूल शिवलिंग पर चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके फूल सामान्यतरू सफेद रंग के होते हैं। विद्वानों के अनुसार कुछ पुराने आकड़ों की जड़ में श्रीगणेश की प्रतिकृति निर्मित हो जाती है जो कि साधक को चमत्कारी लाभ प्रदान करती है। आक का हर अंग दवा है, हर भाग उपयोगी है। यह सूर्य के समान तीक्ष्ण तेजस्वी और पारे के समान उत्तम तथा दिव्य रसायनधर्मा हैं।

कहीं-कहीं इसे वानस्पतिक पारद भी कहा गया है।

विषैला आक की जाति सबसे छोटी होती है अर्थात् इसका जो पौधा ऊंचाई में सबसे छोटा होता है उसको विद्वान लोग सबसे विषैला मानते हैं। यह मरुभूमि में ही होता है। अधिक विषैले की पहचान यह है कि उस आक के पौधे का दूध निकालकर अपने नाखून पर उसकी दो-चार बूंदें टपकायें। यदि दूध बहकर नीचे गिर जाये तो कम विष वाला है और यदि दूध वहीं अंगूठे के नाखून पर जम जाये तो अधिक विषैला है। अधिक विषैले दूध को सीधा खिलाने की औषध में प्रयोग नहीं करना चाहिये, अन्य भस्म आदि औषध बनाने में इसका प्रयोग कर सकते हैं।आक के फल देखने में अग्रभाग में तोते की चोंच के समान होते हैं। इसीलिए आक का एक नाम शुकफल है। ये फल ज्येष्ठ मास तक पक जाते हैं। इनके अंदर काले रंग के दाने वा बीज होते हैं और बहुत कोमल रूई से ये फल भरे रहते हैं। इसकी रूई भी विषैली होती है । फल का औषध में बहुत न्यून उपयोग होता है। क्षार बनाने वाले आक के पंचांग में फल को भी जलाकर औषध में उपयोग लेते हैं। चक्षु रोगों, कर्ण रोगों, जुकाम, खांसी, दमा, चर्मविकारों में, विष्मज्वर, वात और कफ के रोगों में इसके पुष्प, पत्ते, दूध, जड़ की छाल सभी का उपयोग होता है। इस पौधे की पत्ती को उल्टा कर के पैर के तलवे से सटा कर मोजा पहन लें। रात में सोते समय निकाल दें। एक सप्ताह में आपका सुगर सामान्य हो जायेगा। बाहर निकला पेट भी कम हो जाता है। काफी लोग इस उपयोग से लाभान्वित हो रहे हैं।

कविता
चल रहा है द्वंद्व

घटती-घटना
चंद्रकांत खूंटे क्रांति
जांजगीर चांपा
छत्तीसगढ़

चल रहा है द्वंद्व न्यायालय के दरबार में
एक-दूजे को ढहाने,नद बहती धार में
पर ढह रहे हैं दोनो,देह विद्या बल से
लूट रहे व्यवसायी,कर-करके छल से
माह-दर-माह नई-नई तरकीब से
खून को चूस रहे बनकर करीब से
एक होते सरेंडर पर दूजे होते आपा में
पीछे हटने को तैयार नहीं,
बनना चाहते अखबार की छापा में
कैटलॉग बनी हुई है,दोषारोपण मढ़ने को
गुजारा भत्ता लेकर,स्वतंत्र जीवन गढ़ने को
भूत-भविष्य को भूल गए,वर्तमान के फेर में
रोशनी को तज दिए,उंगली थाम अंधेर में
क्रोधाग्नि भड़क रही,रिश्तों के बैर में
खुशहाली ढूँढ रहे,जाकर आँगन गैर में
अल्प समय की वर्षा,फ़सल नही पकते हैं
खूब करके निंदा,कोई ठौर नहीं थकते हैं
उबाल मारती हैं साँसे,एक-दूजे खून पीने को
बनी-बनाई महल ढहाकर,
नयी नींव सीने को
चल रहे हैं दोनों,
धधकती अंगारों के राह पर
जो चैन कभी मिलती थी,
एक-दूजे के बाह पर

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण हटाने चले बुलडोजर,40 घर तोड़े गए

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के महामाया पहाड़ और उससे लगे खैरबार इलाके में वनभूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध सुबह 9 बजे कार्रवाई आरंभ हो गई थी। भारी विरोध के बीच आखिरकार कार्यवाही शुरू हुई। कब्जा स्थल पर पहले क्रम में 60 मकानों को तोडने की कार्यवाही की जा रही थी। सोमवार की सुबह बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ वन व राजस्व विभाग का अमला प्रभावित क्षेत्र में कार्रवाई के लिए पहुंचा तो लोग एक्सीवेटर के सामने खड़े हो गए हैं। सुबह से ही बवाल मचा हुआ था। भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन लोग कुछ भी सुनने को तैयार नहीं था। महामाया पहाड़ क्षेत्र के लोग विरोध में उतर आए हैं उधर पुलिस और प्रशासनिक अमला भी पूरी तैयारी में थी। वहीं दोपहर बाद अचानक हाईकोर्ट से रजिस्ट्रार ऑफिस से सूचना मिली कि अतिक्रमण की कार्रवाई फिलहाल रोकी जाए। हाईकोर्ट के मौखिक आदेश पर जिला प्रशासन की संयुक्त टीम अतिक्रमण की कार्रवाई रोक कर वापस लौट गई।

महामाया मंदिर के ऊपर महामाया पहाड़ है। यहां स्थानीय व बाहरी लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। खैरबार, बधियाचुआं और नवागढ़ इलाके से लगे इस वन क्षेत्र में वर्षों से अवैध कब्जे की शिकायत पर वर्ष 2017 में जांच के बाद 60 कब्जाधारियों को बेदखली का नोटिस जारी किया था। लेकिन राजनीतिक दबाव के कारण अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। वर्ष 2017 के बाद यहां अतिक्रमण और तेजी से बढ़ गया। वर्ष 2022 में भाजपा नेता आलोक दुबे ने पुनः अतिक्रमण का मामला उठाया था। शिकायत पर जिला प्रशासन ने मामले की जांच कराई थी। जांच में 468 लोगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आई थी। वहीं विभाग ने 60 लोगों को बेदखली का नोटिस भी जारी किया था। इनका अतिक्रमण हटाने विन विभाग द्वारा फोर्स की मांग की गई थी पर राजनीतिक दबाव के कारण वर्ष 2022 में अतिक्रमण नहीं हट पाया था। इसके बाद वर्ष 2023 में भाजपा की सरकार आने के बाद भी आलोक दुबे ने मां महामया पहाड़ पर अतिक्रमण की शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष की थी। इसी बीच 15 जनवरी को प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप सरगुजा प्रवास पर थे। वन मंत्री ने वन विभाग की संभागीय बैठक ली थी। बैठक में उन्होंने डीएफओ से महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण खाली नहीं कराए जाने की बात पूछी थी। इस दौरान मंत्री ने डीएफओ को फटकार भी लगाई थी। मंत्री ने हर हाल में 60 घरों को तोडने के निर्देश डीएफओ को दिए थे। वन मंत्री के निर्देश के बाद वन विभाग ने 17 जनवरी को लगभग 182 अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर तीन दिन का समय दिया गया था। वन विभाग द्वारा दिए गए समय सीमा समाप्त होने के बाद 20 जनवरी की सुबह प्रशासन की संयुक्त टीम पहले चरण में 60 घरों को तोडने के लिए पूरे दल-बल के साथ पहुंची। सुबह 6 बजे से ही पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दिल हो गया। अतिक्रमण हटाए जाने की जानकारी मिलते ही अतिक्रमणकारी आक्रोशित हो गए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता, वरिष्ठ नेता शफी अहमद, सतीष बारी, मो. बाबर के साथ मोहल्लेवासी जेसीबी के सामने धरने पर बैठ गए। लोगों ने खाली करने के लिए कुछ दिनों का और समय मांगा पर प्रशासन मानने को तैयार नहीं हुआ। एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो के निर्देश पर पुलिस ने हल्का बल का भी प्रयोग किया गया और अतिक्रमणकारियों को खदेड़ा गया। इसके बाद कार्रवाई की गई। अतिक्रमणकारियों के विरोध के बीच सुबह 9 बजे से कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इसके लिए लगभग 5 सौ पुलिस बल तैनात किए गए थे। वहीं चार जेसीबी लगाए गए थे। दोपहर करीब 1 बजे तक लगभग 40 घरों को तोड़ दिया गया। वहीं मामले में स्टे के लिए पीड़ितों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाया था। अर्जेंट हियरिंग की अपील के बाद मामले में सुनवाई का समय दिया गया है। हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई रोक दी गई। सूत्रों के अनुसार हाईकोर्ट ने 5 दिनों का समय दिया है।

ठंडी में खुले आसामन के नीचे गुजारी राज

महामाया पहाड़ स्थित वन भूमि पर बाहरी व स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण कर घर का निर्माण कर परिवार के साथ जीवन यापन कर रहे थे। नोटिस मिलने के बाद से ही लोगों में हडकंप था। वहीं सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से लगभग 60 घर के लोग बेघर हो गए। लोग घरों के सामान निकलकर दूसरे के घरों व खुले मैदान में रखना पड़ा। वहीं पीड़ित परिवार के बच्चे स्कूल भी नहीं कए थे। पूरे दिन भूखे-प्यासे खुले आसमान के नीचे बैठे रहे। लोगों के बीच अपने आसियाना टूटने का गम रहा। कडकड़ाती ठंड में लोग बाल बच्चों के साथ खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं। लोग 20 से 25 सालों से महामाया पहाड़ पर अवैध रूप से घर बनाकर रह रहे थे। इसमें अधिकांश लोग झारखंड, बिहार के हैं। बेघर हुए नजीरुद्दीन घर खाली कर सामान लेकर परिवार के साथ मैदान में बैठे थे। उन्होंने बताया कि मैं लगभग 25 सालों से यहां रह रहा हूं। मजदूरी का काम करता हूं। मेरा झारखंड में भी घर नहीं है। कहां जाएंगे पूछने पर बताया कि खानाबदोस की तरह तिरपाल तानकर कहीं सडक किनारे रहेंगे। मेरी स्थिति ऐसी नहीं है कि मैं किराए का मकान लेकर परिवार के साथ रह सकूं। कार्रवाई करने पहुंचे अधिकारियों का कहना है कि वन भूमि पर बेदखली की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है। अतिक्रमण हटाने लोगों को तीन दिनों का समय दिया गया था। प्रभावितों ने अतिक्रमण हटाने के लिए अधिकारियों से कुछ दिनों का समय और मांग रहे थे।

निक्षय निरामया जांच उपचार 100 दिवसीय कार्यक्रम में निःशुल्क डिजिटल एक्स-रे की सुविधा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम, संयुक्त संचालक एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. रमेश आर्या व सिविल सर्जन डॉ. जेके रेलवानी, जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता के संयुक्त प्रयास से ओपीडी में आने वाले उच्च जोखिम मरीजों का क्षय रोग की आरंभिक पहचान हेतु एक्स-रे निःशुल्क किया जायेगा। उच्च जोखिम मरीजों में मरीज जिनकी आयु 60 वर्ष से ज्यादा है अथवा शुगर बिमारी से ग्रसित है के साथ-साथ तम्बाकु या अल्कोहल का सेवन करने बाले, पूर्व से क्षय रोग के मरीज, एचआईव्ही के मरीज, क्षय रोग के संपर्क में रहने वाले व कम रोगप्रतिरोधक क्षमता वाले मरीज का पूर्णतः निःशुल्क एक्स-रे मेडिकल कॉलेज सबंधित चिकित्सालय में किया जाएगा। इसमें डिजिटल प्रणाली का उपयोग किया जाता है व एक्स-रे लेने में महज 30 सेकेण्ड से कम समय में मरीज का एक्स-रे ले लिया जाता है। एक्स-रे में न्यूनतम विकिरण उत्सर्जन होता है व शरीर पर परंपरागत एक्स-रे की तुलना में साईड इफेक्ट नहीं होता। सोमवार को कैंप में 102 लोगों का एक्स-रे किया गया। जिसमें अधिष्ठाता, संयुक्त संचालक व सिविल सर्जन ने भी अपना-अपना एक्स-रे कराया। निक्षय निरामया 100 दिवसीय जांच अभियान में उच्च जोखिम के संभावित क्षय रोगी की पहचान 24 मार्च तक निःशुल्क की जावेगी। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि बल्लु शर्मा, आईसीएमआर की टीम, प्राजेक्ट रिसर्च साईटिस्ट, डॉ. कनक त्रिपाठी, अस्पताल सलाहकार स्वास्ति शुक्ला, एक्स-रे टेक्निशीयन अनुपा बेक, राजेश सिन्हा, वनवासी यादव, संजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

शिविर के माध्यम से स्वरोजगार से जुडने लोगों को किया गया प्रोत्साहित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत सभाकक्ष लुण्ड्रा में उद्यमिता जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से अंकुर गुप्ता, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं प्रिति भगत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, लुण्ड्रा थीं। उद्यमिता जागरूकता शिविर में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएम एफएमई), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, औद्योगिक नीति 2024-30, स्टार्ट अप, स्टैण्ड अप योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की जानकारी सहायक प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र देवेन्द्र गुप्ता द्वारा लोगों को दी गई। शिविर में संचालित योजनाओं का पम्पलेट/ब्रोसर भी वितरण किया गया। साथ ही स्वरोजगार से जुडने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

कीटनाशक सेवन की विवाहिता ने तोड़ा दम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कीटनाशक का सेवन की विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतिका फुलमेत पति दिनेश रजवार 36 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम रकेली की रहने वाली थी। 14 जनवरी की रात को वह भोजन करके सोने के लिए चले गई थी। 15 जनवरी को सुबह 8 बजे तक जब नहीं उठी तो उसके ससुर आसन राजवाड़े ने दूसरी बहू सोनमेत को उसे देखने के लिए कहा। सोनमेत जब कमरे में गई तो कीटनाशक का गंध आ रहा था। स्वजन उसे संजीवनी 108 से दरिमा स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रिफर करने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, 19 जनवरी को अपरान्ह 3.20 बजे वह दम तोड़ दी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

सरसों तेल में मिलावट होने की आशंका के मद्देनजर नमूने संकलित कर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में सरसों तेल में मिलावट होने की आशंका के मद्देनजर अंबिकापुर स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर विभिन्न ब्राण्ड के सरसों एवं अन्य तेल के 04 नमूने संकलित कर गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। ताकि अच्छी गुणवत्ता के खाद्य तेल आमजनों को प्राप्त हो सके। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि संकलित नमूनों का राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर से परीक्षण एवं विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने पर उक्त प्रतिष्ठानों एवं विनिर्माताओं के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम विनियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

वाहन की ठोकर से घायल अधेड़ की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक रामकृपाल पिता स्व. जगमोहन रजवार 55 वर्ष कोरिया जिले के पटना थाना अंतर्गत ग्राम गिरजापुर का रहने वाला था। 19 जनवरी की शाम को वह ग्राम लकमा से चंदनपान कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बाइक से अकेले घर जाने के लिए निकला था। पटना चैक जमगहना के पास मु य मार्ग में अज्ञात वाहन का चालक उसे ठोकर मारकर भाग गया। संजीवनी 108 से घायल अवस्था में बैकुंठपुर जिला अस्पताल लाया गया, चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया। स्वजन घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां उपचार के दौरान 20 जनवरी को देर रात 1.20 बजे वह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

पूर्व सभापति ने किया सड़क़ निर्माण का कार्य का भूमिपूजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 18 रैदास वार्ड में होने वाले सडक़ निर्माण कार्य का भूमिपूजन पूर्व सभापति द्वारा मोहल्लेवासियों के साथ मिलकर आज दोपहर 1 बजे किया गया।

विदित हो कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में निगम क्षेत्र में कई सडक़ों के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए राशि आबंटित की गई थी जिसके तहत रैदासवार्ड में भी करीब 6 लाख की लागत स 100 मीटर सडक़ के डामरीकरण का कार्य प्रस्तावित है। उक्त कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व आज पूर्व सभापति त्रिलोक कपूर कुशवाहा द्वारा दोपहर 1 बजे कार्य का भूमिपूजन मोहल्लेवासियों के साथ मिलकर किया गया। उक्त मार्ग काफी जर्जर हो चुका था जिसकारण मार्ग की मरम्मत का कार्य लम्बे समय बाद प्रारंभ होने से लोग भी प्रसन्न थे।

जिला पंचायत सरगुजा में विनय कुमार अग्रवाल ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला पंचायत के नए मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल ने सोमवार को जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण किया।

पदभार ग्रहण के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। नवपदस्थ सीईओ श्री अग्रवाल 2015 बैच के राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है।

इससे पूर्व वे उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के पद पर पदस्थ थे।

घर में गिरकर घायल हुए वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

गिरने से घायल हुए बीमार वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक अन्तोनी बड़ा पिता स्व. मार्कुस बड़ा 70 वर्ष, जशपुर जिला के कांसाबेल थाना अंतर्गत का रहने वाला था। वह लकवा, मधुमेह, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से दो साल से पीड़ित था। 14 जनवरी को वह बिस्तर के पास ही गिर गया, जिसमें उसे सिर में चोटें आई थी। स्वजन कांसाबेल अस्पताल में इलाज के बाद वृद्ध को घर ले आए थे। 19 जनवरी को पुनः तबियत बिगडने पर उसे कांसाबेल स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए, यहां भर्ती करके उपचार के बाद उसे रिफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में उपचार के दौरान 20 जनवरी को सुबह 6.30 बजे वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तिथि घोषित, हटाए गए बैनर-पोस्टर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 की तिथि की घोषणा कर दी गई है। जिले सहित प्रदेश भर में सोमवार से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। सरगुजा में नगरीय निकायों में चुनाव एक व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तीन चरणों में संपन्न होगा।

जानकारी के अनुसार निकाय चुनाव के लिए 22 जनवरी और पंचायत चुनाव के लिए 27 जनवरी को सूचना प्रकाशित होगी। सरगुजा में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तीन चरण में कराए जाएंगे। सोमवार की दोपहर बाद चुनाव की तिथि निर्धारित होते ही आचार संहिता लागू हो गई है। इसके साथ ही चौक-चौराहों पर लगाए गए राजनीतिक बैनर पोस्टर हटाने की कार्रावाई निगम व जिला प्रशासन की टीम द्वारा शुरू कर दी गई है। नगरिय निकाय के लिए 11 फरवरी को वोटिंग होगी। जबकि जिला पंचायत में चुनाव तीन चरणों में होगी। पहला 17 दूसरा 20 व तीसरा 23 फरवरी को मतदान होगा। नगरीय निकाय का चुनाव परिणाम 15 फरवरी को आएगा। जबकि जिला पंचायतों के परिणाम चुनाव के तुरंत बाद जारी किया जाएगा।

ट्रंप को सत्ता सौंपने से पहले बाइडेन ने ताकत का किया भरपूर इस्तेमाल,कई अधिकारियों को क्षमादान

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025। डोनाल्ड ट्रंप को सत्ता की बागडोर सौंपने से कुछ घंटे पहले भी जो बाइडेन ने राष्ट्रपति की शक्तियों का भरपूर इस्तेमाल किया। जो बाइडेन ने कोविड 19 के सलाहकार रहे एंथनी फाउची और रिटायर्ड जनरल मार्क मिले को किसी तरह की परेशानी से बचाने के लिए अग्रिम क्षमादान दिया है। आशंका थी की डोनाल्ड ट्रंप के शासन में उनपर मुकदमा चलाया जा सकता है।

इसी तरह 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुई हिंसा में गवाहों और अन्य कर्मचारियों को भी अग्रिम क्षमादान दे दिया गया है। जो बाइडेन ने एक बयान में कहा, इन अधिकारियों ने देश की पूरी निष्ठा से सेवा की है। बता दें को कोविड 19 के दौरान फाउची का नाम सुर्खियों में रहता था। वह कोविड का सामना करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे थे। हालांकि उनका रवैया कभी डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया। इसलिए वह बार-बार उनपर मुकदमा चलवाने की धमकी देते रहे।

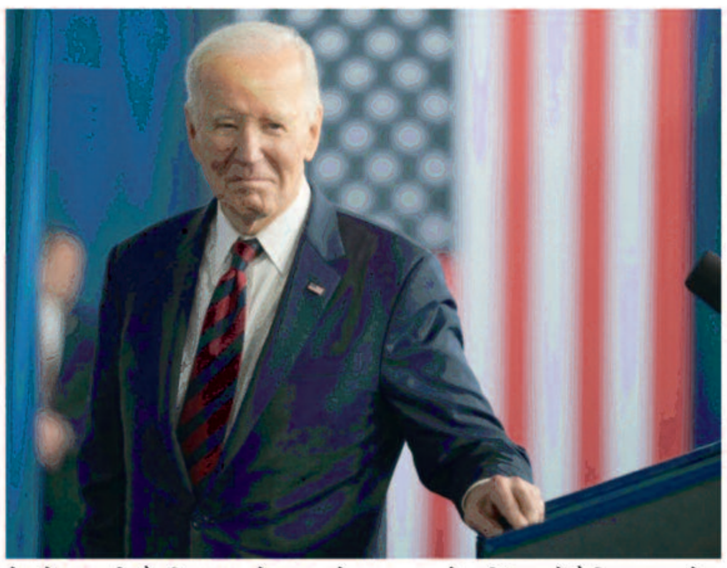

वहीं नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह सोमवार को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर पूर्ववर्ती जो बाइडेन प्रशासन के कई कार्यकारी आदेशों को रद्द कर देंगे।

ट्रम्प ने वाशिंगटन में कैपिटल वन एरेना में रविवार को आयोजित एक विजय रैली में अपने समर्थकों से कहा, ÷जब मैं पद की शपथ लूंगा, उसके कुछ घंटों के भीतर बिडेन प्रशासन का हर कट्टरपंथी और मूर्खतापूर्ण कार्यकारी आदेश निरस्त कर दिया जाएगा।÷

ट्रंप ने कहा कि वह जिस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने वाले हैं, उसमें सीमा सुरक्षा, ऊर्जा, संघीय सरकार के खर्च, लघु वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म टिकटॉक और डीईआई (विविधता, समानता और समावेशन) कार्यक्रम जैसे क्षेत्र शामिल होंगे। नव निर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा, ÷कल दोपहर में अमेरिकी पतन चार लंबे वर्षों के बाद रूक जायेगा और हम अमेरिकी ताकत और समृद्धि, गरिमा और गौरव का एक नया दिन शुरू करेंगे।÷

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, श्री ट्रम्प के अपने शपथ ग्रहण के दिन 100 से अधिक कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है। वह सोमवार को दोपहर में राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। अमेरिका में चार दशकों में पहली बार वाशिंगटन में ठंडे मौसम के पूर्वानुमान के कारण उनका शपथ ग्रहण समारोह खुले आसमान के नीचे आयोजित नहीं किया जा रहा है।

हमास ने छोड़े तीन बंधक तो इस्राइल ने जेल से रिहा किए 90 फलस्तीनी कैदी,लोगों ने मनाया जश्न

रामल्लाह,20 जनवरी 2025। इस्राइल-हमास के बीच हुआ युद्ध विराम समझौता लागू होने के बाद लोगों में खुशी का आलम है। रविवार को एक ओर हमास ने तीन इस्राइली बंधकों को छोड़ा, तो वहीं इस्राइल ने 90 फलस्तीनियों को रिहा किया। इस्राइल के रामल्लाह स्थित ओफर जेल से फलस्तीनी कैदी रिहा किए गए। इसमें फलस्तीन के प्रमुख संगठन की कार्यकर्ता, महिलाएं और बच्चे शामिल रहे।

फलस्तीनियों की रिहाई के वक्त जेल के बाहर बड़ी संख्या में फलस्तीनी जमा हुए। उन्होंने जेल से रिहा होने वाले फलस्तीनियों का स्वागत किया। साथ ही उनको सफेद बसों से ले जाते वक्त आतिशबाजी की। इस्राइल ने इन सभी को पत्थरबाजी और हत्या के प्रयास समेत सुरक्षा संबंधी अपराधों के लिए हिरासत में लिया था। हालांकि फलस्तीनी कैदियों ने रिहाई में देरी के लिए इस्राइल की आलोचना की। कैदियों ने कहा कि इस्राइल ने उसके जश्न को जान बूझकर कम करने का प्रयास बताया। हालांकि इस्राइली सेना ने सार्वजनिक जश्न मनाने के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की थी।

इनकी हुई रिहाई

इस्राइल ने जिन फलस्तीनियों को रिहा किया है, उसमें कई फलस्तीनी हस्तियां शामिल हैं। इसमें प्रमुख फलस्तीन वामपंथी समूह पॉपुलर फ्रंट फॉर लिबरेशन ऑफ फलस्तीन की प्रमुख 62 वर्षीय खालिदा जर्रारा शामिल हैं। उनको दिसंबर 2023 में हिरासत में लिया गया था। इसके अलाव हमास अधिकारी सालेह अरोरी की बहन दलाल खासीब, नेता अहमद सआदत की पत्नी अबला अब्देल रसूल शामिल हैं।

बता दें कि 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के साथ शुरू इस्राइल-हमास युद्ध में हजारों लोगों की जान चली गई। वहीं लाखों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। इस संघर्ष के दौरान मिस्र, कतर, अमेरिका जैसे कई देशों ने दोनों देशों के बीच स्थिति समान्य करने का प्रयास किया। आखिरकार इस्राइल ने 15 जनवरी को युद्ध विराम समझौता और बंधको की रिहाई पर सहमति जताई।

2023 में भी हुआ था युद्ध विराम

गौरतलब है कि इससे पहले, नवंबर 2023 में एक सप्ताह के युद्ध विराम के दौरान भी 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा किया गया था। इसके अलावा, इस्राइल रक्षा बल के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगरी ने बताया कि यह तीन महिलाएं हमास की कैद से 471 दिनों के बाद वापस लौटी हैं और उन्हें और उनके परिवार को बधाई दी गई।

उधर बाइडेन तो इधर जिनपिंग का जलवा,चीन की मध्यस्थता में भी हुई एक सीजफायर डील

बीजिंग, 20 जनवरी 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जहां जाते-जाते हमास और इजरायल के बीच मध्यस्थता कराकर महफिल लूटी है, वहीं पूर्वी एशिया में अमेरिका का चिर प्रतिद्वंद्वी चीन ने भी इसी तरह की कोशिश की है। चीन ने मध्यस्थता कर पड़ोसी देश म्यांमार में सेना और म्यांमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सेना के बीच एक औपचारिक संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर करवाए हैं। चीनी समाचार एजेनंसी सिन्हुआ के मुताबिक यह समझौता शनिवार को लागू हुआ। इसके बाद से म्यामंर में लड़ाई रुक गई है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि चीन ने चीन के युन्नान प्रांत के कुनमिंग में दोनों पक्षों के बीच शांति वार्ता में मध्यस्थता की है। म्यांमार सेना और MNDAA शांति वार्ता के सातवें दौर के बाद शनिवार को एक समझौते पर पहुंचे। सिन्हुआ के मुताबिक, माओ निंग ने कहा कि उत्तरी म्यांमार में तनाव कम करना ना सिर्फ म्यांमार के लिए बल्कि पड़ोसी देशों के लिए भी हितकर हैं। इसके अलावा यह चीन-म्यांमार सीमा क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और विकास के लिए भी जरूरी है।

बता दें कि पिछले चार साल से यानी 2021 में नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को सेना द्वारा उखाड़ फेंकने के बाद से म्यांमार हिंसा से जूझ रहा है। AL Jazeera के अनुसार, म्यांमार में चार साल पहले हुए तख्तापलट ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया, जो अंततः एक व्यापक सशस्त्र विद्रोह में बदल गया। इसमें अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है।

माओ निंग ने म्यांमार की स्वतंत्रता, संप्रभुता,राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए चीन का समर्थन जताया है। उन्होंने कहा, म्यांमार की शांति और अखंडता के लिए चीन शांति वार्ता को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना जारी रखेगा और उत्तरी म्यांमार में शांति प्रक्रिया के लिए समर्थन और सहायता देगा।

दरअसल,म्यांमार में सेना कई मोर्चों पर अपने शासन के विरोध से लड़ने के लिए संघर्ष कर रही है, और कई क्षेत्र अब विभिन्न विद्रोही समूहों के नियंत्रण में आ गए हैं। चार साल के युद्ध से ग्रस्त म्यांमार की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल हो चुकी है। दूसरी तरफ तख्तापलट करने वाली जुंटा सेना ने दर्जनों राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अल जजीरा के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने का आग्रह किया था। इसने सभी पक्षों से सबसे कमजोर लोगों तक सहायता पहुंचाने के लिए निर्बाध मानवीय पहुंच की गारंटी देने का भी आह्वान किया। जनवरी के पहले सप्ताह में, संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि म्यांमार में संघर्ष के कारण 35 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 15 लाख ज्यादा है।

पॉप सिंगर अमीर हुसैन ने किया था पैगम्बर मुहम्मद का अपमान, ईरान की अदालत ने सुनाई मौत की सजा

ईरान,20 जनवरी 2025। ईरान की एक अदालत ने लोकप्रिय गायक अमीर हुसैन मघसूदलू, जिन्हें टाटालू के नाम से जाना जाता है, को ईशनिंदा के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद अपील पर मौत की सजा सुनाई है। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी।

सुधारवादी समाचार पत्र एतेमाद ने ऑनलाइन रिपोर्ट में बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने ईशनिंदा सहित अन्य अपराधों के लिए पिछले पांच साल की जेल की सजा पर अभियोजक की आपत्ति को स्वीकार कर लिया है।

इसमें कहा गया है कि मामले को फिर से खोला गया और इस बार अभियुक्त को पैगंबर का अपमान करने के लिए मौत की सजा सुनाई गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फैसला अंतिम नहीं था और अभी भी अपील की जा सकती है।

37 वर्षीय भूमिगत संगीतकार 2018 से इस्तांबुल में रह रहे थे, इससे पहले कि तुर्की पुलिस ने उन्हें दिसंबर 2023 में ईरान को सौंप दिया।

तब से वह ईरान में हिरासत में हैं। टाटालू को ÷वेश्यावृत्ति÷ को बढ़ावा देने के लिए 10 साल की सजा सुनाई गई थी और अन्य मामलों में इस्लामी गणराज्य के खिलाफ प्रचार फैलाने और अश्लील सामग्री प्रकाशित करने का आरोप लगाया गया था।

रैप, पॉप और आर एंड बी के संयोजन के लिए जाने जाने वाले भारी टैटू वाले गायक को पहले रूढ़िवादी राजनेताओं द्वारा युवा, उदारवादी सोच वाले ईरानियों तक पहुँचने के तरीके के रूप में पेश किया गया था।

टाटालू ने 2017 में अति-रूढ़िवादी ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के साथ एक अजीबोगरीब टेलीविजन बैठक भी आयोजित की थी, जिनकी बाद में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

2015 में, टाटालू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के समर्थन में एक गीत प्रकाशित किया था, जो बाद में 2018 में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले अमेरिकी राष्ट्रपतित्व काल के दौरान सामने आया।

दक्षिण कोरियाई विज्ञान मंत्रालय ने जैव-उद्योग में नवाचार लाने के लिए 10 प्रौद्योगिकियों को नामित किया

सोल,20 जनवरी 2025। दक्षिण कोरियाई विज्ञान मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि उसने अगले दशक में जैव-उद्योग (बायो इंडस्ट्री) में नवाचार (इनोवेटिव) लाने के लिए 10 प्रौद्योगिकियों की पहचान की है।

योनहाप समाचार एजेंसी ने विज्ञान और आईसीटी मंत्रालय के हवाले से बताया कि भविष्य की तकनीकों में मानव इम्यूनोम, मल्टी-कैंसर का जल्दी पता लगाना, राइबोन्यूक्लिक एसिड स्ट्रक्चरोम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा डिजाइन किए गए जीन एडिटर्स, एंटी-एजिंग एंटीबॉडीज, मॉलिक्यूलर ग्लू, मोटाइल लिविंग बायोबॉट्स, डिजिटल आर्टिफिशियल अंग, बायो फाउंडेशन मॉडल और हेल्थकेयर डिजिटल ट्विन शामिल हैं।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि जैव अनुसंधान का तरीका बदलने वाला है। अब तक प्रयोगशाला में एक्सपेरिमेंट और ऑब्जरवेशन पर केंद्रित अनुसंधान होता था, लेकिन भविष्य में यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित भविष्यवाणी और अनुमान पर केंद्रित होगा।

ईरान का पाताल लोक! जमीन के 500 मीटर नीचे बसा दिया पूरा नेवी बेस, ट्रंप के आने से पहले दुनिया को दिखाई ताकत

- ईरान ने अपना नया नेवी बेस दिखाया है...
- यह नया बेस जमीन के 500 मीटर नीचे है...
- ट्रंप के शपथ ग्रहण से ठीक पहले यह फैसला हुआ है...

तेहरान,20 जनवरी 2025। ईरान ने जमीन के नीचे नौसैनिक अड्डा बनाया है. पूरी दुनिया को ईरान ने अपनी नई ताकत दिखाई. ईरान के सरकारी टेलीविजन ने शनिवार को बताया कि इसमें दर्जनों मिसाइलों से लैस हमला करने वाली नौकाएं हैं. नेवी बेस कहां है इसकी सटीक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह ईरान के रणनीतिक दक्षिणी जल क्षेत्रों जिसमें खाड़ी, होरमुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी शामिल हैं. रिपोर्ट के अनुसार यह अड्डा 500 मीटर की गहराई में बनाया गया है और यह इन महत्वपूर्ण जलमार्गों में ईरान की नौसैनिक क्षमता को बढ़ाने के लिए बनाया गया है.

ईरान के सरकारी टेलीविजन के मुताबिक कुछ नौकाएं अमेरिकी युद्धपोतों और विध्वंसक जहाजों को नष्ट करने में सक्षम हैं. फुटेज में गार्ड्स के प्रमुख जनरल होसैन सलामी को नौसैनिक शाखा के कमांडर रियर एडमिरल अलीरेजा तांगसिरी को इस अड्डे का दौरा करते हुए दिखाया गया. अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के संभावित शुरुआत के बीच ईरान ने इस तरह की ताकत दिखाई है. अपने पहले कार्यकाल के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा दबाव की नीति अपनाई थी. 2015 के परमाणु समझौते से वह पीछे हट गए और व्यापक प्रतिबंध फिर से लगाए।

ईरान ने बढ़ाई अपनी ताकत

ट्रंप की धमकियों और पश्चिम एशिया में मिले लगातार झटकों के बीच ईरान ने अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने का प्रयास तेज कर दिया है. इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम शुक्रवार को ईरान ने उठाया, जब ईरानी राष्टपति मसूद पेजेशकियान और रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर हुए. इस समझौते के तहत ईरान और रूस ने आपसी सैन्य खतरों का मुकाबला करने और संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लेने के साथ-साथ 'सैन्य-तकनीकी सहयोग' विकसित करने का वादा किया है।

ईरान की सेना में 1000 नए ड्रोन

इजरायल की ओर से भविष्य में संभावित हमलों से बचने के लिए भी ईरान के लिए अंडरग्राउंड बेस जरूरी है। इसके अलावा हाल ही में ईरान ने अपनी सेना में 1000 से ज्यादा नए ड्रोन शामिल किए। इनमें हाई स्टील्थ क्षमताएं हैं। इसके अलावा ईरान अपनी नौसेना को मजबूत करने के लिए एक नया युद्धपोत शामिल करने की योजना बना चुका है। पिछले सप्ताह ईरानी सेना के समन्वय के लिए उप प्रमुख रियर एडमिरल हबीबुल्लाह सय्यारी ने कहा कि नौसेना में जल्द ही अतिरिक्त उन्नत जहाज और फ्लाइट यूनिट शामिल किए जाएंगे।

जापान के हाथ लगा 2100000000000 रुपये का खजाना,दुनिया पर करेगा राज, चीन की हेकड़ी होगी खत्म

टोक्यो, 20 जनवरी 2025। जापान ने प्रशांत महासागर के नीचे दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की एक अभूतपूर्व खोज का खुलासा किया है। यह एक ऐसी खोज है, जो जापान की अर्थव्यवस्था को नया रूप दे सकती है। इतना ही नहीं, यह खोज दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के संतुलन को बदल सकती है। 26 बिलियन डॉलर (21, 60956697500 रुपये) के आश्चर्यजनक मूल्य के ये भंडार टोक्यो से लगभग 1,200 मील दूर मिनामी-तोरी-शिमा द्वीप के पास स्थित थे। इस खोज से दुर्लभ खनिजों के बाजार पर चीन के प्रभुत्व को झटका लग सकता है।

समुद्र में दबा है यह दुर्लभ खजाना

समुद्र तल से 5,700 मीटर नीचे दबे इन विशाल भंडारों में अनुमानित 230 मिलियन टन दुर्लभ पृथ्वी तत्व होने का अनुमान है, जिसमें कोबाल्ट और निकल शामिल हैं - इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरी और अन्य उन्नत तकनीकों के उत्पादन में प्रमुख घटक। यह खोज निप्पॉन फाउंडेशन और टोक्यो विश्वविद्यालय द्वारा अत्याधुनिक रिमोट से संचालित अंडरवाटर वाहनों का उपयोग करके किए गए एक सहयोगी सर्वेक्षण के माध्यम से संभव हुई।

कौन-कौन से खनिजों की खोज हुई

रिपोर्ट के अनुसार, मैंगनीज नोड्यूल के क्षेत्र की पहली बार 2016 में पहचान की गई थी, लेकिन हाल ही में इसका विस्तार से मानचित्रण किया गया है। इस क्षेत्र के अध्ययन ने भंडार के अविश्वसनीय दायरे को उजागर किया, जिसमें 610,000 मीट्रिक टन कोबाल्ट और 740,000 मीट्रिक टन निकल शामिल हैं। ये खनिज न केवल श्वङ्क बैटरियों के लिए बल्कि जेट इंजन, गैस टर्बाइन और विभिन्न उच्च तकनीक विनिर्माण प्रक्रियाओं के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। तांबे के अतिरिक्त निशान भी पाए गए, जिससे साइट की आर्थिक क्षमता में वृद्धि हुई।

दुर्लभ पृथ्वी खनिज और जापान का भविष्य

कोबाल्ट और निकल आधुनिक उद्योगों के लिए बहुत जरूरी तत्व हैं। विशेष रूप से ऊर्जा भंडारण प्रणालियों और हरित प्रौद्योगिकियों में उनकी भूमिका काफी ज्यादा है। जैसे-जैसे दुनिया भर के देश एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, इन धातुओं की मांग आसमान छू रही है। जापान के नए पाए गए भंडार विदेशी आयात पर देश की निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इन भंडारों का दोहन करके, जापान के पास एक आत्मनिर्भर आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने, अपने घरेलू उद्योगों को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी और विनिर्माण में खुद को वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का अवसर है।

जापान की अर्थव्यवस्था को बड़ा फायदा

विशेषज्ञ पहले से ही इस खोज को जापान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बदलाव बता रहे हैं, जिसके संभावित दीर्घकालिक लाभ कच्चे माल के निष्कर्षण से कहीं आगे तक फैले हुए हैं। टोक्यो विश्वविद्यालय में संसाधन भूविज्ञान के प्रोफेसर यासुहिरो काटो के अनुसार, उत्खनन प्रक्रिया पर्यावरणीय स्थिरता को प्राथमिकता देगी। 2025 में इसका उत्खनन शुरू करने की योजना है, जिसमें प्रतिदिन कई हजार टन नोड्यूल उठाने में सक्षम विदेशी खनन जहाजों का उपयोग किया जाएगा। इस मापा दृष्टिकोण का उद्देश्य स्थिर संसाधन निष्कर्षण सुनिश्चित करते हुए पारिस्थितिक प्रभाव को कम करना है।

खुले में टॉयलेट,कम खाना... अमेरिका की जेलों में बेहद भयानक स्थिति,लड़ाई करना पड़ जाता है भारी

वॉशिंगटन, 20 जनवरी 2025। अमेरिका की जेलों में जाना किसी बुरे सपने से कम नहीं है। एक पूर्व दोषी ने बताया कि जेल का जीवन क्रूर है, जहां भूख और सार्वजनिक तौर पर मल आम बात है। हर समय बंदूकधारी गार्ड्स का निशाना आपकी पीठ पर रहता है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक केंटकी के इयान ईस्टमैन ने अमेरिका की जेलों में लगभग तीन साल बिताए हैं। उन्होंने बताया कि जेल में समय काटने के लिए आपको एक नियमित दिनचर्या जरूरी है, लेकिन जेल के अंदर की भयावह परिस्थितियों को झेलना जरूरी है,जिनसे लोगों को कभी सामान्य नहीं होना चाहिए.

इयान ईस्टमैन एक पूर्व नशेड़ी हैं. उन्होंने कहा, 'जब आप पहली बार जेल में आते हैं, चाहे सड़क से गिरफ्तार किए गए हों या खुद सरेंडर किया हो. पुलिस आपको पूरी तरह से नग्न कर देती है और आपकी जांच करती है. यह एक ऐसी चीज है जो आपको अच्छी नहीं लगेगी.' उन्होंने आगे कहा, 'वे आपके प्राइवेट पार्ट देखते हैं. वह आपको बैठने और खांसने के लिए कहते हैं। यह एक ऐसा अहसास है, जो अच्छा नहीं लगता है।'

कैसी होती थी दिनचर्या?

सबसे लंबे समय तक वह आठ महीने एक साथ जेल में रहे. यह साफ है कि बिना एक अच्छी दिनचर्या के यहां इतना लंबा रुक पाना मुश्किल है. उन्होंने कहा, 'जेल जाने वाले के लिए जरूरी है कि वह जितना जल्दी हो अपनी दिनचर्या बना ले. वही बेहतर होगा. जेल में आपको बहुत सी बातें सुनने को मिलती है.' उन्होंने कहा, 'एक दिनचर्या से जुड़े रहना जरूरी है. मैं अगर अपनी बात करूं तो हर सुबह उठता, व्यायाम करता, पढ़ता, ताकि मैं ज्यादातर समय पढ़ता ताकि इतना थक जाऊं कि रात में सीधे नींद आ जाए।

जेल बिल्कुल भी अच्छी जगह नहीं

बंदियों के साथ होने वाले व्यावहार को लेकर उन्होंने कहा कि यह अलग-अलग जेलों में अलग-अलग हो सकता है. यह जेल के कर्मचारियों पर निर्भर करता है. उन्होंने कहा, 'मेरे साथ का व्यवहार अलग-अलग काउंटियों पर निर्भर करता है. कई जेलों में कम भोजन दिया जाता है, क्योंकि प्रत्येक कैदी के लिए एक निश्चित राशि आवंटित की जाती है. काउंटी पर निर्भर करता है कि गार्ड्स कैसे हैं. कहीं बहुत अच्छे तो कहीं बहुत बुरे होते हैं.'

उन्होंने आगे कहा, 'अन्य कैदियों से घुलने-मिलने की बात करें तो यह मेरे लिए आसान था. चाहे मैं उनसे घुलने-मिलने की कोशिश न भी करूं, लोग हमेशा मेरे पास आते और मुझे अपनी समस्याएं बताते. मेरे कई दोस्त बन गए थे. मुझे जेल गए आठ साल हो गए. लेकिन ईमानदारी से कहूं तो यह रहने के लिए कोई अच्छी जगह नहीं है।

महाठग असफाक उल्लाह मामले में सूरजपुर पुलिस ने 7 वें आरोपी को किया गिरफ्तार

100 से अधिक शिकायत आ चुका है अभी और गिरफ्तारी होनी बाकी...

पुलिस आखिर कब इस मामले का पूरा खुलासा करेगी?

पुलिस इस मामले में 2 महीने से जांच कर रही है अभी तक पुलिस को कहां तक सफलता मिली है और किस प्रकार ठगी करता था असफाक इस पर से पुलिस अभी तक प्रेस कांफ्रेंस करके पूरे मामले से पर्दा नहीं उठा पाई है, गिरफ्तारी व शिकायत की जानकारी पुलिस से मिलती रही पर अभी तक पूरे मामले में ठगी कैसे हुई और इसकी शुरुआत कब हुई? यह सब पुलिस अभी तक नहीं बता पाई है अभी तक पुलिस जांच में ही जुटी हुई है अब देखना यह है कि कब पूरे मामले का खुलासा होगा?

अशफ़ाक मामले में शिवप्रसादनगर के हदीस का क्या योगदान है?

वही शिवप्रसाद नगर के ठग अशफाक उल्लाह के मामले में एक नाम हमेशा चर्चा में रहता है वह है हदीस...अब यह नाम क्यों जुड़ा हुआ है यह तो पुलिस के लिए भी पहेली बना हुआ है...पुलिस अभी तक इन दोनों नाम के जुड़ाव पर से पर्दा नहीं उठा पाई है, पर यह बात जरूर चर्चा में है की बैक डोर से अशफाक को मदद हदीस कर रहा है...हदीस के मार्फत भी बहुत लोगों के पैसे लगे थे जिसमें कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल है, जिनका पैसा लौटाने का जिम्मा हदीस ले रखा है ऐसा सूत्रों का दावा है पर पुलिस जो इस मामले पर से पर्दा नहीं उठा पा रही है।

-शमरोज खान-
सूरजपुर,20 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

महाठग अशफ़ाक उल्लाह इस समय अपने पिता साथ जेल में है, इन्होंने 100 से अधिक लोगों को ठगा है जिसकी शिकायत सूरजपुर थाने सहित कई अन्य जिले में भी दर्ज कराई गई है, अभी तक इस मामले में सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और अनुमान लगाया जा रहा है कि कुछ गिरफ्तारी और होनी है, वैसे गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अभी कुछ कहने को तैयार नहीं है पर सातवीं गिरफ्तारी सूरजपुर पुलिस ने महबूब हसन के रूप में किया है। तकरीबन 2 महीने होने को है और अशफ़ाक के अलावा सात लोग को जेल भेज दिया गया है, वही इस ठगी में कौन-कौन शामिल है उसने चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी जारी है, मामला ठगी का अभी तक 10 करोड़ से ऊपर का शिकायत आया है पर वैसे 200 करोड़ से कम का मामला नहीं बताया जा रहा है, क्योंकि कई लोग इस मामले में अभी भी चुप्पी साधे हुए हैं और उन्हें शिकायत करने से किसी के द्वारा रोका गया है, और यह गारंटी दी गई है कि उनका पैसा उन्हें मिलेगा जिस वजह से शिकायत पर पूर्णविराम अभी लगा हुआ है। जिस समय अशफाक उल्लाह ठगी कर रहे थे उसे समय उनके लिए कई लोग एजेंट का काम कर रहे थे, उनकी गिरफ्तारी अभी तक बाकी है वही एक महिला मित्र का नाम आ रहा था वह भी इस गिरफ्तारी से अभी तक बची हुई है, वहीं परिवार की महिलाओं तक पुलिस की जांच नहीं पहुंची है और यदि पहुंची भी होगी तो अभी तक उसे पर कोई भी परिणाम नहीं आया है, पुलिस अपने विवेक अनुसार जांच कर रही है और अंतिम परिणाम क्या देती है? यह देखने वाली बात होगी पर पुलिस अभी तक इस बड़े मामले में शुरू से अंत तक का कोई भी डिटेल प्रेस कांफ्रेंस के जरिए नहीं दी है और खुलासा नहीं की है जो भी खबरें लगी है वह अपने सोर्स व शिकायतों के आधार पर लग रही हैं।

अशफाक को संरक्षण देने वाले पुलिसकर्मी को मिल सकता है भटगांव थाने का प्रभार

सूरजपुर जिले का एक पुलिसवाला अशफाक को लोगों को ठगने में संरक्षण देता था उसे कानूनी सलाह भी दिया करता था ऐसा सूत्रों का कहना है, वह नाम भी एक समय चर्चा में था कई अधिकारियों से अशफाक की सेटिंग भी वह करवाया करता था,सूत्रों का दावा है कि अभी उसे सूरजपुर जिले का एक मलाईदार भटगांव थाना मिल सकता है जहां वह पहले से पदस्थ है बस प्रभारी बनने की देरी है, क्योकि वहा के प्रभारी का स्थानांतरण दुसरे थाने हो गया है।

यदि हदीस की भूमिका नहीं है तो फिर हदीस लोगों का पैसा लौटाने की गारंटी क्यों ले रहे हैं?

हदीस की भूमिका इस पूरे मामले में संदिग्ध है हर तरफ हदीस की चर्चा होती है अब यह हदीस कौन व्यक्ति है? यह तो पुलिस ही पता कर सकती है पर वही पैसे लौटाने की गारंटी आखिर किस वजह से ले रहा है? यह भी सवाल है पर अभी तक हदीस व अशफ़ाक के बीच किस प्रकार का जुड़ाव है यह पुलिस पता नहीं कर पाई है अभी तक हदीस के साथ पुलिस अशफाक के जुड़ने की वजह पता लगाने में विफल है?

हदीस के ऊपर छोटे-बड़े मिलाकर कुछ अपराध है दर्ज

सूत्रों का यह भी दावा है कि हदीस के ऊपर जुआ से लेकर छोटे-मोटे अपराध दर्ज हैं और हदीस थोड़ा सा आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है,धान खरीदी इनका मुख्य व्यवसाय रहा है,धान खरीदी में इनकी हस्तक्षेप अधिक रहती है किसका धान उतरेगा किसका चढ़ेगा यह सब हदीस के द्वारा किया जाता है, पर वही अभी तक अशफाक उल्लाह के मामले में हदीस का नाम उसे बचाने के लिए आ रहा है,और हदीस ने भी कई लोगों से अशफाक के पास पैसा लगाया था हदीस कहीं ना कहीं रिश्तेदारी में भी है ऐसा सूत्रों का दावा है।

अशफाक ने आखिर इतने पैसे का किया क्या यह आज भी पहेली बनी हुई है?

अशफाक व उसकी टीम कैसे लोगों से पैसा ठगती थी यह आज भी पहेली बनी हुई है और यह पहली पुलिस ही सुलझा सकती है पर पुलिस अभी तक कितना खुद सुलझी है यह भी सवाल है, पैसे उसके पास है या नहीं और यदि नहीं है तो आखिर इतने पैसे गया कहां आखिर यह पैसे कहां खर्च हुए किस-किस में यह पैसे बाटे?

अभी तक उनकी हो चुकी है गिरफ्तारी

अशफाक,जारीफुल्ला,नजीर हसन,शाहरुख अंसारी,वसीम अकरम, मेराजुद्दीन महबूब हसन की गिरफ्तारी हो चुकी है।

कोरबा पुलिस का विशेष अभियान सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,20 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

आपकी सुरक्षा,हमारी प्राथमिकता! कोरबा पुलिस सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) के निर्देशन में एवं यातायात एवं क्राइम प्रभारी रविन्द्र कुमार मीना (भा.पु.से.) के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन एवं सड़क सुरक्षा के मद्देनजर विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग, नशे की हालत में वाहन चलाने बिना हेलमेट/सीट बेल्ट के वाहन चलाने जैसी लापरवाहियों पर कार्रवाई की गई। साथ ही, सड़कों पर व्हाइट पेंट एवं रेडियम पट्टीकरण अभियान भी चलाया जा रहा है। ताकि रात के समय वाहन चालकों को सड़क मार्ग बेहतर ढंग से दिख सके और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

1.नाबालिगों के वाहन चलाने पर कार्रवाई 7 मामलों में नाबालिग द्वार मोटर वाहन चलाने पर चालानी कारवाही की गई।

2.ओवरस्पीडिंग पर सख्तीः14 लोगो पर निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वालों पर चालान किया गया। जनवरी माह मे अभी तक कुल 108 लोगो पर ओवरस्पीडिंग पर कारवाही हो चुकी हैं।

3.ड्रंक एंड ड्राइव पर कड़ा शिकंजाः शराब पीकर वाहन चलाने 10 लोगो पर 185 [illegible] एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की गई। अभी तक जनवरी माह मे कुल 78 185 एक्ट के तहत कारवाही हो चुकी है।

4. सड़क सुरक्षा सुधार अभियान-व्हाइट पेंट एवं रेडियम पट्टीकरण- विशेष अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने प्रमुख सड़कों पर सफेद पेंट और रेडियम पट्टीकरण किया जा रहा है जिससे सड़क किनारे एवं डिवाइडर्स रात में स्पष्ट दिखाई दें। इससे खासतौर पर हाईवे और अंधेरे क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

जनता से अपील-यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित रहें।

स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बालको संयंत्र में लगाया फूड वैन

-संवाददाता-
कोरबा,20 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

बालको,उन्नति परियोजना के अंतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं ने संयंत्र परिसर के अंदर फूड वैन लगाया है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में फीता काटकर फूड वैन का उद्घाटन किया। वैन पर स्नैक्स, मैगी सैंडविच, पोटैटो फ्राई, रोल्स, बिरयानी, शेक और कोल्ड कॉफी इत्यादि उपलब्ध है जो सोमवार से शनिवार सुबह 10 बजे से 4 बजे तक खुला रहेगा। कर्मचारी भी घर के स्वाद का अनुभव पाएंगे। फूड वैन एसएचजी की चार महिलाएं मिलकर संचालित कर रही हैं। वर्तमान में प्रोजेक्ट उन्नति के तहत छत्तीसा माइक्रो एंटरप्राइज छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्नैक्स, हस्तनिर्मित चॉकलेट, आउटडोर कैटरिंग सेवा, कुकीज, अचार, पापड़, बड़ी, पपची, खाजा, ठेठरी और केक के साथ टिफिन सेवाएं प्रदान कर रहा है। परियोजना के जरिए महिलाओं को विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन बनाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान गया है जो उन्हें आजीविका प्राप्त करने और खुद के पैरों पर खड़े होने में सहायक बना। प्रोजेक्ट उन्नति का उद्देश्य महिलाओं को स्व सहायता समूह में शामिल करने और उन्हें सशक्त बनाने तथा उद्यमिता और स्थायी आजीविका के निर्माण के लिए उनकी क्षमताओं और कौशल को निखारने पर केंद्रित है। 500 से अधिक एसएचजी, जिनमें 5,800 से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जो परियोजना के विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल से लाभान्वित हो रही हैं। परियोजना के जरिए महिलाओं को अनेक गतिविधियों से जोड़ा गया है जो उन्हें आजीविका प्राप्त करने और खुद के पैरों पर खड़े होने में सहायक बना। परियोजना को वर्तमान में जीपीआर स्ट्रैटेजीज एंड सॉल्यूशंस के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा है।

कोयला चोरों पर पुलिस की कार्यवाही, कोयला बोरी में भरकर मोटर सायकल से परिवहन करते पकड़ाए

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो के विरूद्ध लगातार कड़ी कार्यवाही कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 19.01.2025 के रात्रि में थाना रामानुजनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम साल्ही की ओर से काफी मात्रा में मोटर सायकल चालक के द्वारा अवैध रूप से कोयला परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना रामानुजनगर की पुलिस टीम ने ग्राम साल्ही चौक में घेराबंदी कर 1. सब्बीर पिता मो. सफीज उम्र 24 वर्ष ग्राम नारायणपुर 2. मोहित प्रजापति पिता राजेन्द्र प्रसाद उम्र 25 वर्ष ग्राम नारायणपुर 3. हिफाजल पिता मो. हफीज उम्र 28 वर्ष ग्राम नारायणपुर 4. जलसाय पिता स्व. धरमसाय उम्र 30 वर्ष ग्राम पतरापाली 5. बाबुलाल पिता बलवंत सिंह उम्र 30 वर्ष ग्राम पतरापाली 6. देवशंकर पिता स्व. जगन राम उम्र 32 वर्ष ग्राम पतरापाली 7. बोधन सिंह पिता मदन साय उम्र 35 वर्ष ग्राम पतरापाली को मोटर सायकल में बोरी में कोयला भरकर परिवहन करते पकड़ा जो कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 35(1-4)/303(2) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर 14 बोरी कोयला एवं परिवहन में प्रयुक्त 7 नग मोटर सायकल जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू व उनकी टीम सक्रिय रही।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा)/ सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर,जिला सूरजपुर (छ.ग.)

रा0प्र0क्रं0-/.अ-2/2024-25

-:: ईश्तहार::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-शिवनंदनपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती किरण पाण्डेय पति उमाशंकर पाण्डेय,जाति-ब्राम्हण,निवासी ग्राम शिवनंदनपुर,तहसील लटोरी,जिला सूरजपुर(छ.ग.) द्वारा उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम शिवनंदनपुर प.ह.न. 02, रा.नि.मं. विश्रामपुर तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक323/10 रकबा 0.0140 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किए जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 22/01/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/01/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा0) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,मनेन्द्रगढ़ (छ0ग0)

नीलाम-सूचना

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ़ मनमंडल के अधीनस्थ काष्ठागार जनकपुर में उपलब्ध नया पुराना ईमारती काष्ठ एवं जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन मे अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार जनकपुर से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम- काष्ठागार जनकपुर
नीलाम दिनांक- 30.01.2025
नीलाम प्रारंभ - प्रातः 9.00 बजे से प्रारम्भ

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लण्ठा	बल्ली	लण्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0	नग	घ0मी0	नग	घ0मी0
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	150.000	1900	8334	626.307	7747	132.533
2	साल	100.00	350	7930	770.873	2647	70.817
3	हल्दू	0.000	0	6	0748	0	0.000
4	साजा	0.000	0	79	10.374	31	0.828
5	धावड़ा	0.000	0	0	0.000	3	0.083
6	बीजा	0.000	0	4	0.337	4	0.205
7	सल्कठा	1.000	2.5	64	5.128	101	2.905
	योगः=	**251.000**	**2.275**	**16417**	**1413.767**	**10533**	207.371
मिश्रित जलाऊ		200 चट्टा नया					

टीपः- 1. क्रेता को ई- ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई0डी0 से लॉगईन करके देख सकते हैं।

जी.नं.-242505403/3

वनमंडलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल मनेन्द्रगढ़

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा.प्र.क्र./ब- 121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयंत कुमार दास आ0 साधुचरण दास निवासी ग्राम सूर तहसील सीतापुर जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर 2 सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 743/2, 744,747/2 रकबा क्रमशः 0.01 एकड़, 0.02 एकड़, 0.01 एकड़ भूमि के भू-तल पर रकबा 60.58 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 52.50 वर्गमीटर, एवं द्वितीय तल पर रकबा 52.50 वर्गमीटर पर आवासीय एवं व्यवसायिक भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाखा में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय इस न्यायालय प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा- आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/02/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

एक ही जनपद क्षेत्र से निर्वाचित दो जनपद उपाध्यक्षों का कैसा रहा कार्यकाल

आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद जनता के बीच का तुलनात्मक परीक्षण,किसका रहा प्रभावी कार्यकाल, यह आने वाले चुनाव में दिखाई देगा...

अब दोनों भूतपूर्व उपाध्यक्षों के बारे में पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि और कार्यरत कर्मचारी क्या सोचते हैं?

2015 से 2020 के बीच जनपद पंचायत बैकुंठपुर का कार्यकाल

2015 से लेकर के 2020 के बीच में जनपद पंचायत बैकुंठपुर में अध्यक्ष पद पर कांग्रेस के स्वर्गीय श्री सूर्य प्रताप सिंह नेताम निर्वाचित हुए थे, वहीं उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस के श्री अनिल जायसवाल निर्वाचित हुए थे। वैसे तो बतौर उपाध्यक्ष श्री अनिल जायसवाल का कार्यकाल निर्विवाद नहीं था,और अपने कार्यकाल के प्रथम वर्षों में उन्हें भी नौकरी और निर्वाचित सदस्य के बीच के मामलों का सामना करना पड़ा, जिसका बाद में पटाक्षेप हो गया। श्री अनिल जायसवाल ने चूंकी स्वयं ठेकेदारी की कमान नहीं संभाल रखी थी, इसलिए पंचायतों में उनका बेवजह दखल नहीं था। पंचायतों में निर्वाचित पंच,सरपंच एवं पदस्थापित सचिव स्वतंत्रता पूर्वक ग्राम पंचायत निर्माण एजेंसी के तहत कार्य करते रहे। जनपद पंचायत में तत्कालीन समय में पदस्थ अधिकारियों कर्मचारियों के साथ तत्कालीन जनपद उपाध्यक्ष का संबंध मधुर ही रहा एवं पूरे कार्यकाल में किसी प्रकार के विवाद की खबरें सामने नहीं आई। इसके अतिरिक्त तत्कालीन जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल ने एक कुशल प्रशासक की तरह अपने दायित्वों का निर्वहन किया और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि सड़कों का एवं पुल पुलियों का निर्माण रहा। ग्राम पंचायत में अनावश्यक हस्तक्षेप न करने के उनकी आदत को तत्कालीन सरपंचों ने एवं सचिवों ने सराहनीय बताया। सबसे बड़ी बात तत्कालीन जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल स्वयं में फैसला लेने में सक्षम थे। उन्हें किसी आश्रित की तरह कार्यकाल बिताने की नौबत नहीं आई। इन सब के बावजूद विगत पंचायत चुनाव में अनिल जायसवाल ने जनपद पंचायत का रुख छोड़ कर जिला पंचायत की ओर अपना रुख किया। परंतु जिस क्षेत्र से उन्होंने चुनाव लड़ा, उस क्षेत्र से पूर्व में दो बार विधानसभा का चुनाव लड़ चुके तत्कालीन पीसीसी सदस्य श्री वेदांती तिवारी का निर्दलीय चुनाव लड़ जाना भारी पड़ा, और कांग्रेस से अनिल जायसवाल सहित भारतीय जनता पार्टी को भी हार का सामना करना पड़ा। वर्तमान में सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भूतपूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री अनिल जायसवाल पुनः क्षेत्र में सक्रिय हैं। और आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सहभागी होने को तैयार हैं।

जनपद पंचायत का अद्भुत रिकॉर्ड क्या इस बार टूटेगा

इसे संयोग कहा जाए या मिथक, यह तो नहीं पता। परंतु जनपद पंचायत बैकुंठपुर का विगत कुछ वर्षों में एक अनोखा रिकार्ड रहा है, की जो भी व्यक्ति जनपद उपाध्यक्ष चुनकर आता है, वह आगामी चुनाव हार जाता है। गौर किया जाए तो विगत कुछ चुनाव से यह लगातार होता रहा है। वर्तमान में होने वाले चुनाव में यह देखने वाली बात होगी कि यह मिथक टूटता है, या यह संयोग बरकरार रहेगा। उपरोक्त पुरा लेख ग्राम पंचायतों में पदस्थ कुछ सचिवों एवं विगत चुनाव में निर्वाचित सरपंचों से नाम ना बताने की शर्त पर वार्तालाप के आधार पर किया गया है।

जनपद उपाध्यक्ष अनिल जयसवाल (2015 से 2020)

जनपद उपाध्यक्ष आशा साहू (2020 से 2025)

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है। प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। अब आने वाले समय में जनता पूर्व में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के कार्यकालों की तुलना करने में लग गई है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि ने जनता की कसौटियों पर खरा उतरने का कितना प्रयास किया, यह तो आगामी चुनाव बतायेगा। परंतु दैनिक घटती घटना ने विगत दो पंचायत स्तरीय चुनाव में एक ही क्षेत्र से जनपद का चुनाव जीतकर आने वाले, और संयोगवश दोनों के द्वारा जनपद उपाध्यक्ष की कुर्सी पर आसीन रहने के दरमियान अपने कार्यकाल का निर्वहन किस प्रकार किया और जनता की कसौटी पर कितना खरे उतरे, इसका आंकलन जनता के बीच जाकर और पूर्व में पंचायत में निर्वाचित जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंचायत में कार्यरत सचिव, जिनका सीधा संबंध जनपद पंचायत से होता है, से बात कर कर तुलनात्मक परीक्षण के रूप में जानने का प्रयास किया।

ज्ञात हो की जनवरी 2015 से लेकर जनवरी 2020 के बीच में जनपद पंचायत बैकुंठपुर के उपाध्यक्ष पद पर अनिल जायसवाल निर्वाचित रहे। जिन्होंने जनपद पंचायत का चुनाव जनपद क्षेत्र रनई, चिरगुड़ा, एवं छिंदिया से जीता था। और उसके बाद जनपद उपाध्यक्ष बने। वहीं 2020 में हुई त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में तत्कालीन जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल ने जिला पंचायत का रुख किया और उनके स्थान पर उनके क्षेत्र से जनपद क्षेत्र छिंदिया, रामपुर, शिवपुर पसला, तरगंवा से श्रीमति आशा साहू ने जनपद का चुनाव जीतकर, जनपद उपाध्यक्ष का भी चुनाव जीता। अभी वह निवर्तमान जनपद उपाध्यक्ष हैं। दोनों प्रत्याशियों की जीत की सबसे बड़ी बात यह थी कि, दोनों प्रत्याशियों ने अपने जनपद का चुनाव कांग्रेसी आकाओं के बदौलत जीता था। पहले चुनाव में जहां अनिल जायसवाल के सर पर रनई जमीदार एवं कोरिया टाइगर के नाम से मशहूर योगेश शुक्ला का हाथ था, वहीं इसी क्षेत्र से दूसरे चुनाव में श्रीमती आशा साहू के सर पर तत्कालीन कांग्रेसी विधायिका श्रीमति अंबिका सिंहदेव की मेहरबानी थी। हालांकि श्रीमती आशा साहू को जनपद चुनाव जीताने से लेकर जनपद उपाध्यक्ष बनाने तक की कवायद में तत्कालीन विधायिका ने अपनी पूरी जोर आजमाइश लगाई थी और जिसका सफल परिणाम भी प्राप्त हुआ था। परंतु विगत विधानसभा चुनाव में उन्हें वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू एवं उनकी टीम का आशातीत साथ नहीं मिल पाया। जबकी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल और पीसीसी सदस्य, कोरिया टाइगर रनई जमींदार श्री योगेश शुक्ला की जुगलबंदी आज भी जगजाहिर है।

निवर्तमान जनपद उपाध्यक्ष आशा साहू के कार्यकाल के दो बड़ी घटनाओं के लिए इनका कार्यकाल विवादास्पद रहा...

मामला नंबर-1

पहली घटना ग्राम पंचायत चिरगुडा जो की जनपद उपाध्यक्ष का गृह ग्राम भी है, के निर्वाचित सरपंच के साथ ठेकेदारी को लेकर अनबन होना और तत्कालीन सरपंच द्वारा पंचायत के कार्य से उपाध्यक्ष के शिक्षक पति को अलग कर देना रहा। इसके बाद तत्कालीन सत्ता शासन के सहयोग से जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू और उनके पति द्वारा ग्राम पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव लाकर, पंचों की खरीद फरोख्त के साथ निर्वाचित सरपंच को बेदखल कर कार्यवाहक सरपंच स्थापित करना। यह पूरा मामला काफी दिनों तक सुर्खियों में रहा और बेदखल सरपंच ने खुलेआम यह आरोप लगाया कि पंचायत में अनावश्यक दखलअंदाजी एवं पंचायत कार्यों में ठेकेदारी न करने देने के कारण साजिश पूर्वक पंचों को खरीद फरोख्त कर उन्हें हटाया गया। इस पूरे मामले में तत्कालीन विधायिका श्रीमती अंबिका सिंह देव की भी बहुत किरकिरी हुई थी। क्योंकि बेदखल सरपंच ने जनपद उपाध्यक्ष के ऊपर विधायिका द्वारा शह देने का भी आरोप लगाया था।

मामला नंबर-2

दूसरा मामला जनपद पंचायत में तत्कालीन समय में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी से विवाद का था। जिसे हटाने के लिए जनपद उपाध्यक्ष एवं उनके पति ने तत्कालीन विधायिका श्रीमती अंबिका सिंह देव से मदद मांगी थी। परंतु पूर्व में हुए घटनाक्रम की किरकिरी के कारण तत्कालीन विधायिका ने जनपद पंचायत के अधिकारी को जब हटाने से मना कर दिया तो कांग्रेसी जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू एवं उनके टीम ने भाजपाइयों के साथ मिलकर तत्कालीन जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को हटाने के लिए आंदोलन किया था। पूरे मामले में यह बात सामने आई थी कि तत्कालीन जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जनपद उपाध्यक्ष के शिक्षक पति को मनमानी करने से अंकुश लगाया था। वही विरोध का कारण बना। भाजपाइयों के साथ जुगलबंदी कर इस आंदोलन को खड़ा करने का नुकसान बाद में विधानसभा चुनाव में जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू को भुगतना भी पड़ा था। बहरहाल उपरोक्त दोनों कार्यकाल बीत चुके हैं, और पासे से जनता के हाथ में हैं। आने वाले चुनाव में यह देखने वाली बात होगी कि दोनों भूतपूर्व जनपद उपाध्यक्ष यदि चुनावी मैदान में उतरते हैं, तो जनता उन्हें हाथों-हाथ लेती है या आड़े हाथ।

फरवरी 2020 से लेकर वर्तमान 2025 तक जनपद पंचायत बैकुंठपुर का कार्यकाल

विगत जनवरी 2020 में संपन्न हुए पंचायत चुनाव में छिंदिया क्षेत्र से दो दिग्गज जनपद के चुनाव में उतरे, भाजपा प्रत्याशी के रूप में भूतपूर्व जनपद उपाध्यक्ष विपिन बिहारी जायसवाल एवं कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर श्रीमती आशा साहु। श्रीमती आशा साहू को स्थानीय होने के लाभ के साथ-साथ तत्कालीन विधायिका एवं शासन प्रशासन का साथ मिला, जिससे वे जनपद का चुनाव जीतने में सफल हुए। इसके बाद तत्कालीन विधायिका के सहयोग से उन्होंने उपाध्यक्ष का भी चुनाव जीता। इस कार्यकाल में जनपद अध्यक्ष के रूप में भाजपा नेत्री सौभाग्यवती सिंह कुसरो निर्वाचित रहीं। यह बात सर्वविदित है कि जनपद सदस्य एवं जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू केवल एक चेहरा मात्र रहे। उनके स्थान पर उनका सारा कार्य और सारे कार्यक्रम उनके शिक्षक पति के द्वारा संपादित किए जाते रहे। यह बात और है कि पूरे कार्यकाल के दौरान उन्होंने लगातार क्षेत्र का दौरा किया, लगातार कार्यक्रमों में सहभागिता दिखाई, क्षेत्र में कई आयोजन उनके द्वारा कराए गए। परंतु यह सब उनके शिक्षक पति के द्वारा संचालित मात्र था। उनके पूरे कार्यकाल की सबसे बड़ी बात यह थी कि उनके शिक्षक पति ने ग्राम पंचायत के ठेकेदारी अपने हाथ पर ले रखी थी। और यही कारण है कि पंचायतों में उनका अनावश्यक दखल और दबाव बना रहा। जिसके कारण कई ग्राम के सरपंचों एवं सचिवों से उनका संबंध कटु बना रहा। चूंकि श्रीमती आशा साहू प्रशासनिक रूप से गैर अनुभवी थीं और राजनीतिक अनुभव न होने के कारण उनका रोल केवल मंच साझा करना था। और सारी कमान शिक्षक पति के हाथ में थी। इनके कार्यकाल में पंचायतों में निर्माण कार्य तो हुए, परंतु समस्त निर्माण कार्यों की एजेंसी ग्राम पंचायत होने के बावजूद उपाध्यक्ष के शिक्षक पति और उनके साथियों के हाथ में रहे। ठेकेदारी के माध्यम से धन अर्जन की लालसा के कारण निर्माण कार्य तो संपन्न हुए, परंतु गुणवत्ताविहीन एवं बेकार। गाहे बगाहे इनके द्वारा कराए गए निर्माण कार्य के गुणवंता संबंधी कई सवाल उठे और अखबारों में भी लगातार खबरें चली थी। इस कारण भी पंचायत में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं पदस्थ कर्मचारियों के साथ अनबन की खबरें लगातार आती रहीं।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने ली क्राइम मीटिंग

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।
सोमवार, 20 जनवरी को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा जिले के पुलिस अधिकारियों का क्राईम मीटिंग लिया, जिसमें थाना-चौकी के कार्यो, अपराध निकाल, प्रतिबंधात्मक व लघु अधिनियम व ऑपरेशन मुस्कान की समीक्षा कर परफारमेंश को जाना और लंबित अपराधों एवं शिकायत के निराकरण का ब्यौरा लेते हेतु निराकरण में और तेजी लाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों में पुलिस का खौफ बनाए रखने सख्ती के साथ तत्परतापूर्वक कार्यवाही करने, थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सूचना तंत्र मजबूत और पुख्ता करने के निर्देश दिए। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने टासकिंग पुलिसिंग पर जोर देते हुए प्रभारियों को कहा कि अपराध, शिकायत, सहित अन्य कार्यवाहियों को पूर्ण करने की समय सीमा खुद बनाए और उसे मजबूती के साथ पूरा करें इससे कार्यो में तेजी आयेगी और निकाल का प्रतिशत भी बढ़ेगा, सामाजिक बुराईयों, नशे व अवैध कारोबार पर सख्ती से पूर्णतः अंकुश लगाई जाए, दुघर्टना को पूरी तरीके से रोक पाना संभव नहीं है किन्तु एक्सीडेंट रोकने की दिशा में कार्यवाही एवं जागरूकता से कमी लाई जा सकती है इसके लिए बेहतर कार्य करें, शराब पीकर और ओव्हर स्पीडिंग कर यातायात नियमों की अनेदखी पर सख्ती से कार्यवाही करने, थाना प्रभारी खुद नागरिकों की समस्या शिकायत को सुने और निराकरण करें। जमीन संबंधी मामले की शिकायत पर फौरन कार्यवाही के साथ ही बाउन्ड ओव्हर की कार्यवाही कराने, स्थाई वारंट की तामीली में विशेष रूचि लेने के निर्देश दिए। उन्होंने आदतन अपराधियों का निगरानी व गुण्डा बदमाश हिस्ट्रीशीट खोलने, अपराधों की रोकथाम के लिए सतत पेट्रोलिंग व प्रभावी रात्रि गश्त करने एवं अधिक से अधिक लघु व प्रतिबंधात्मक अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कलेक्टर ने ली विभागों की बैठक

कलेक्टर ने संपत्ति विरूपण के तहत कार्रवाई के दिये दिशा निर्देश,आदर्श आचार संहिता लगते ही जिले में संपत्ति विरूपण की कार्यवाही सतत जारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।
आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर विभागों की बैठक ली। गौरतलब है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आज नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा कर दी गई है। घोषणा के साथ ही राज्य भर में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री जयवर्धन ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल संपत्ति विरूपण की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं बेहतर तरीके से कराने के लिए राज्य निर्वाचन द्वारा जारी गाईडलाईन्स का शब्दशः पालन करने के निर्देश दिए हैं।

जिसके परिपालन में राजस्व अधिकारी व संबंधितों द्वारा संपत्ति विरूपण की कार्यवाही जिले में शुरू कर दी गई है। सभी कार्यालय व सार्वजनिक स्थलों पर कार्यवाही की जा रही है। संपत्ति विरूपण की कार्यवाही जिला संयुक्त कार्यालय, जिला पंचायत व अन्य कार्यालयों के साथ साथ सार्वजनिक स्थलों पर सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही तहसील भैयाथान, बिहारपुर चौक, प्रेमनगर व अन्य स्थलों पर संपत्ति विरूपण की कार्यवाही लगातार की जा रही है।

सार्वजनिक स्थल तथा शासकीय भवनों में लगे बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स, एलईडी तथा अन्य प्रचार सामग्रियों को 24 घण्टे भीतर हटाने की कार्रवाई की जाएगी। प्रथम 48 घंटे में सभी

सार्वजनिक संपत्तियों से विरूपण हटाने की कार्यवाही जाएगी। प्रथम 72 घंटे में सभी निजी संपत्तियों से विरूपण हटाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होते ही संपत्ति विरूपण अधिनियम के कार्य में लगे शासकीय कर्मचारियों द्वारा फ्लेक्स बैनर पोस्टर आदि हटाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। सूरजपुर नगर पालिका परिषद क्षेत्र से लेकर जिले के सभी नगर पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए विभागीय कर्मचारी संपत्ति विरूपण का कार्य पूरा कर रहे हैं। सभी चौक चौराहे से एवं सार्वजनिक स्थान से बैनर पोस्टर जैसे प्रचार सामग्रियों को हटाया जा रहा है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति विरूपण की कार्यवाही संबंधित अधिकारी के मार्गदर्शन में हो रही है।

नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर किया प्रेस वार्ता एवं राजनीतिक दलों की बैठक का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तारीखों की घोषणा की गई। इस घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता राज्य भर में लागू हो गई है। नगरीय निकाय के चुनाव एक चरण तथा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तीन चरणों में आयोजित किए जाएंगे। नगरीय निकाय के चुनाव 11 फरवरी तथा पंचायत चुनाव 17, 20 और 23 फरवरी 2025 को आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय द्वारा प्रेस वार्ता एवं राजनीतिक दलों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगरीय निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव के तिथियों एवं विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया गया।

गौरतलब है कि जिले में नगर पालिका सूरजपुर सहित 04 नगर पंचायत विश्रामपुर, भटगांव, जरही और प्रतापपुर मिलाकर कुल 05 नगरीय निकायों के लिए चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अंतर्गत प्रथम चरण में सूरजपुर जनपद एवं भैयाथान जनपद, द्वितीय चरण में प्रेमनगर जनपद एवं रामानुजनगर जनपद तथा तृतीय चरण में ओड़गी जनपद एवं प्रतापपुर जनपद में आयोजित किए जाएंगे।

आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार निर्वाचन की सूचना की प्रकाशन, सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन, मतदान केंद्रो की सूची का प्रकाशन, नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की तिथि नगरीय निकाय हेतु, 22 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 27 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि नगरीय निकाय हेतु, 28 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 03 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा के लिए नगरीय निकाय हेतु, 29 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 04 फरवरी 2025, अभ्यर्थिता से नाम वापिस लेने की तिथि नगरीय निकाय हेतु 31 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 06 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। इसके अलावा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करने, प्रकाशन करने और निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन करने की तिथि नगरीय निकाय हेतु 31 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 06 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। मतगणना की कार्यवाही नगरीय निकाय हेतु 15 फरवरी निर्धारित की गई है। इसके अलावा पंचायत चुनाव को लेकर मतदान एवं मतदान केंद्र पर की जाने वाली मतगणना 17,20 और 23 फरवरी तथा खण्ड मुख्यालय में की जाने वाली मतगणना 18,21 और 24 फरवरी निर्धारित की गई है। सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा पंच, सरपंच, जनपद पंचायत के मामले में खण्ड स्तर पर 19, 22 और 25 फरवरी तथा जिला पंचायत सदस्य के मामले में जिला मुख्यालय पर 20, 23 और 25 फरवरी निर्धारित की गई है।

टीम इंडिया की धाकड़ प्लेइंग इलेवन का हुआ चयन

» ये खिलाड़ी लेंगे अंग्रेजों से मोर्चा

कोलकाता,20 जनवरी 2025। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया कोलकाता पहुंच चुकी है। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली टी20 सीरीज का पहला मुकाबला यहीं के ऐतिहासिक ईडन गार्डेंस में 22 जनवरी को खेला जाएगा। भारतीय टीम पूरी तरह से तैयार है। हालांकि इस बार सामने अंग्रेज टीम है, इसलिए चुनौती आसान नहीं होगी। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से जो टीम चुनी गई है, वो भी काफी धाकड़ नजर आ रही है। इस बीच देखना ये दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम पहले मुकाबले में किस प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान में उतरेगी। चलिए जरा संभावित टीम समझने की कोशिश करते हैं।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन करेंगे पारी का आगाज

इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में टीम इंडिया की ओपनिंग जोड़ी काफी धमाकेदार होगी। एक ओर जहां अभिषेक पांडे होंगे, वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन नजर आएंगे। चुंकि सीरीज के लिए दो ही ओपनर चुने गए हैं, इसलिए सूर्यकुमार यादव के पास ज्यादा विकल्प भी नहीं हैं। लेकिन इतना जरूर है कि इन दो में से जो भी टिक गया, वो टीम का स्कोर बहुत बड़ा कर देगा। दोनों ही विस्फोटक बल्लेबाज हैं और कुछ ओवर में मैच का नक्शा पलट कर रख देंगे।

सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा संभालेंगे इसके बाद कमान

इस बीच अगर तीसरे मुकाबले की बात की जाए तो वहां पर वैसे तो कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम आता है, लेकिन जब टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका का दौरा किया था, तब तिलक वर्मा भी नंबर तीन पर खेलने के लिए आए थे और उन्होंने कमाल की पारियां खेली थीं। ऐसे में देखना होगा कि सूर्यकुमार यादव नंबर तीन पर खुद आते हैं या फिर तिलक वर्मा को और मौके देते हैं। लेकिन तीन चार और नंबर पर यही खेलेंगे ये तो तय है। इसके बाद नितीश कुमार रेड्डी और हार्दिक पांड्या आएंगे। मैच में जो स्थिति होगी, उसके हिसाब से ही तय होगा कि कौन पहले जाएगा और कौन बाद में। इसके अलावा टीम के पास रिंकू सिंह के रूप में एक और आक्रामक बल्लेबाज हैं, जो किसी भी दशा से मैच को निकालने की क्षमता रखता है। उनका भी प्लेइंग इलेवन में होना पक्का है।

मोहम्मद शमी की हो रही है वापसी

स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर अक्षर पटेल टीम में होंगे। वे इस सीरीज के लिए उपकप्तान भी बनाए गए हैं। लिहाजा उनका भी खेलना तय सा ही है। वहीं उनके जोड़ीदार की भूमिका वरुण चक्रवर्ती निभाते हुए नजर आएंगे। पिछले कुछ वक्त से वरुण चक्रवर्ती काफी कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं और वे टीम इंडिया के लिए मैच विनर की तरह दिखाई देंगे। वहीं बात अगर दो तेज गेंदबाजों की करें तो वहां पर मोहम्मद शमी के साथ अर्शदीप सिंह नजर आएंगे। मोहम्मद शमी लंबे समय बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं। वे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी चुने गए हैं। ऐसे में उनका एक तरह से ये फिटनेस टेस्ट होगा। वे किस तरह की गेंदबाजी करते हैं, ये देखना अहम होगा। अर्शदीप सिंह भी वर्ल्ड कप की टीम में चुने गए हैं। वे भी धातक गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं।

पहले टी20 में भारत की संभावित प्लेइंग 11 : संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी।

टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

ऋषभ पंत बने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान

आईपीएल 25 से पहले हो गया ऐलान

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025। आईपीएल2025 का आयोजन 21 मार्च से किया जाएगा। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले सभी टीमें धीरे-धीरे अपने कप्तानों के नाम का ऐलान कर रही है। कुछ दिनों पहले पंजाब किंग्स की टीम ने श्रेयस अय्यर को अपना कप्तान बनाया था। इसी बीच लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने भी अपने कप्तान का ऐलान कर दिया है। ऋषभ पंत टीम के नए कप्तान होंगे। जो आगामी सीजन में रूल की टीम को लीड करेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 12 फरवरी तक बदल सकती है टीम इंडिया

इन खिलाड़ियों के पास अभी भी मौका

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जा चुका है। इस बार के टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें से सात टीमों के स्क्वाड सामने आ चुके हैं। हालांकि मेजबान देश पाकिस्तान की टीम अभी तक घोषित नहीं हुई है। इस बीच भले ही 7 टीमों का ऐलान कर दिया गया हो, लेकिन अभी मौका होगा कि कोई अपनी टीम में अगर कुछ बदलाव करना चाहें तो कर सकता है। आईसीसी की ओर से इसकी भी तारीख पहले ही तय कर दी गई है। यानी जो खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने गए हैं, उनके पास मौका होगा, लेकिन ये इतना भी आसान नहीं होने वाला है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 12 जनवरी तक करना था टीम का ऐलान

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर पहले ही ऐलान कर दिया था कि सभी हिस्सा लेने वाली टीमों को अपने अपने स्क्वाड का ऐलान 12 जनवरी तक करना होगा। सबसे पहले इंग्लैंड की टीम सामने आई। इसके बाद एक एक कर बाकी टीमें भी घोषित कर दी गईं। हालांकि भारत और पाकिस्तान की टीम का ऐलान 12 जनवरी तक नहीं किया गया था। बीसीसीआई ने साफ कर दिया था कि 19 जनवरी तक टीम घोषित कर दी जाएगी। ऐसा ही हुआ भी। 18 जनवरी को मुंबई में मीडिया के सामने और कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदगी में चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने टीम सामने रख दी। कुल 15 खिलाड़ी इस बार इस बड़े आईसीसी टूर्नामेंट के लिए चुने गए हैं।

12 फरवरी तक अगर बदलाव करना चाहें तो संभव होगा

इस बीच चैंपियंस ट्रॉफी का पहला मुकाबला 19 फरवरी को खेला जाएगा। इसमें अब एक ही महीने का वक्त बाकी है। आईसीसी ने ये भी कह दिया था कि जो भी स्क्वाड आएंगे, वे प्रारंभिक होंगे। अगर टीमें चाहें तो बाद में बदलाव सकती हैं। इसके लिए आखिरी तारीख 12 फरवरी यानी टूर्नामेंट शुरू होने से एक सप्ताह पहले तय की गई है। हालांकि ऐसा बहुत कम होता है कि टीमें बाद में बदलाव करें। ऐसा केवल एक ही स्थिति में होता है, जब कोई चुना गया खिलाड़ी चोटिल हो जाए। बाकी काफी सोच समझकर टीम चुनी जाती है, इसलिए ये नौबत कम ही आती है।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को लेकर सवाल जरूर

वैसे तो बीसीसीआई ने काफी मजबूत टीम चुनी है। लेकिन जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को लेकर जरूर सवाल हैं। जहां एक ओर जसप्रीत बुमराह इस वक्त पूरी तरह से फिट नहीं हैं, वहीं मोहम्मद शमी लंबी चोट से ठीक होकर अब लौट रहे हैं। जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए भी नहीं चुना गया है। शमी इस सीरीज में खेलकर अपनी फिटनेस की परीक्षा देंगे। बाकी टीम में कहीं कोई सवाल नहीं है। यानी बुमराह और शमी अगर फिट होते हैं तो फिर टीम में शायद बदलाव की कोई भी जरूरत नहीं होगी। लेकिन मोहम्मद सिराज, संजू सैमसन और बाकी खिलाड़ियों के भी पास अवसर होगा कि अगर कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो उन्हें मौका मिल सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा।

स्वितोलिना ने छह साल बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न,20 जनवरी 2025। यूक्रेन की खिलाड़ी और 28वीं सीड एलिना स्वितोलिना ने सोमवार को रोड लेवर एरिना में हुए चौथे राउंड के मुकाबले में वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 6-4, 6-1 से हराकर छह साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 स्वितोलिना ने इतिहास रचते हुए ग्रैंड स्लैम में 100 मैच जीतने वाली पहली यूक्रेनी खिलाड़ी बनने के बाद यह कारनामा किया है। यह उनके करियर का 12वां ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है।

नाईजीरिया ने न्यूजीलैंड को हराया

नाईजीरिया,20 जनवरी 2025। क्रिकेट जगह में कई बार फैंस ने बड़े उलटफेर देखने को मिले हैं। ऐसा ही कुछ महिलाओं के अंडर 19 वर्ल्ड कप के दौरान खेले गए एक मुकाबले के दौरान हुआ है। जब नाईजीरिया की टीम ने न्यूजीलैंड की महिला टीम को हरा दिया। यह मुकाबला काफी रोमांचक कहा। नाईजीरिया ने इस मैच को सिर्फ 2 रनों से जीता है। यह क्रिकेट के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक है। नाईजीरिया की टीम पहली बार अंडर 19 महिला वर्ल्ड कप खेल रही है और उन्होंने न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीम को हराया है।

कैसा रहा मैच का हाल

न्यूजीलैंड की अंडर 19 महिला टीम और नाईजीरिया की अंडर 19 महिला टीम के बीच खेले गए इस मुकाबले के बारे में बात करें तो, इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। यह मैच बारिश के प्रभावित रहा। जिसके कारण दोनों टीमों के बीच सिर्फ 13-13 ओवर के मुकाबले खेले गए। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए नाईजीरिया की टीम ने 13 ओवर में 6 विकेट खोकर 65 रन बनाए। वहीं इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 13 ओवर में 6 विकेट खोकर सिर्फ 63 रन ही बना सकी और नाईजीरिया ने इस मुकाबले को जीत लिया।

टॉप पर पहुंची नाईजीरिया की टीम

नाईजीरिया की टीम अंडर 19 महिला वर्ल्ड कप में ग्रूप सी का हिस्सा है। उनके ग्रुप में न्यूजीलैंड के अलावा समोआ और साउथ अफ्रीका की टीम शामिल है। इस ग्रूप में नाईजीरिया की टीम पहले स्थान पर आ गई है। उन्होंने दो मुकाबलों में एक जीत हासिल की है। वहीं उनका एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। तीन अंकों के साथ उनकी टीम पहले स्थान पर आ गई है। दूसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका की टीम है। उन्होंने एक मैच में एक जीत हासिल की है और उनके एक अंक हैं।

वॉर्नर ने की स्मिथ के अनफिट होने पर ट्रेविस हेड को टेस्ट कप्तान बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली,20 जनवरी 2025। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर ने कहा है कि अगर स्टीव स्मिथ श्रीलंका दौरे के लिए फिट नहीं होते हैं, तो ट्रेविस हेड ऑस्ट्रेलिया के नए टेस्ट कप्तान हो सकते हैं। स्मिथ को बिग बैश लीग (बीबीएल) के दौरान चोट लग गई थी। पैट कमिंस अपनी दूसरी संतान के जन्म और टखने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे के लिए उपलब्ध नहीं हैं,

दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनेर ने होल्गर रूने को हराया

इटली,20 जनवरी 2025। इटली के यानिक सिनेर और डेनमार्क के होल्गर रूने दोनों को 32 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन मैच में मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा और इसके बाद सिनेर की दमदार सर्विस पर रॉड लावेर एरिना का नेट निकल जाने से 20 मिनट का विलंब हुआ। आखिर में गत चैम्पियन सिनेर ने 13वीं वरीयता प्राप्त रूने को 6-3, 3-6, 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सिनेर गर्मी से निपटने के लिये चेहरे पर ठंडा तौलिया रखते दिखे और कई बार गर्दन पर पानी भी गिराया। तीसरे सेट में दस मिनट से ज्यादा विलंब के बीच वह लॉकर रूम में चिकित्सा सहायता के लिये गए।

सिनेर का सामना अब ऑस्ट्रेलिया के आठवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनाउर या अमेरिका के गैर वरीय एलेक्स मिचेलसन से होगा। इटली के ही 55 वीं रैंकिंग वाले लोरेंजो सोनेगो ने अमेरिकी क्वालीफायर लर्नर टियेन को 6-2, 6-3, 3-6, 6-1 से मात दी । अब उनका सामना अमेरिका के बेन शेल्टन या फ्रांस के गाएल मोंफिल्स से होगा।

देवा का एक्शन,ड्रामा और स्टाइल से भरपूर ट्रेलर रिलीज

पुलिस या माफिया,दुश्मनों को ठिकाने लगा रहे शाहिद कपूर

आने वाले दिनों में कई फिल्में दर्शकों के बीच आने वाली हैं, जिनका इंतजार बेसब्री से किया जा रहा है। इन्हीं में से एक है देवा, जिसके हीरो हैं शाहिद कपूर।इस फिल्म से अब तक शाहिद के जितने भी पोस्टर सामने आए हैं, वो दर्शकों को बेहद पसंद आए हैं, वहीं इसके टीजर ने भी खूब धमाल मचाया था।अब देवा का ट्रेलर दर्शकों के बीच आ गया है।देवा के ट्रेलर में एंग्री यंगमैन वाला शाहिद का अवतार ध्यान खींच रहा है। उनका यह खतरनाक अवतार आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। इसमें जहां शाहिद अपने धुआंदार एक्शन से गर्दा उड़ा रहे हैं, वहीं उनका स्वैग भी देखने लायक है। ट्रेलर देख लगता है कि फिल्म में खूब ड्रामा भी देखने को मिलने वाला है।दिल दहला देने वाले अवतार के साथ शाहिद दिल जीत लेते हैं। उनके धमाकेदार डांस ने ट्रेलर में और जान डाल दी है।फिल्म का ट्रेलर देख एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, तबाही मचाएगा, जब देवा आएगा। एक लिखते हैं, भाई इसके लिए तो हाउसफुल हो जाना चाहिए।शाहिद की एक फैन लिखती हैं, हैरानी होती है कि कोई इतना हुनरमंद कैसे हो सकता है। बेस्ट एक्टर, बेस्ट डांसर, बेस्ट एक्शन हीरो और सबसे स्मार्ट हीरो।कुछ लोगों को ट्रेलर देख शाहिद की फिल्म कबीर सिंह की याद आ गई। उन्होंने कहा कि ये भी इसकी तरह ब्लॉकबस्टर होगी।देवा की एक और खास बात यह है कि इसमें बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की धरोहर को दिखाया गया है. शाहिद इस फिल्म में उस पुरानी आभा को अपने आधुनिक अंदाज में पर्दे पर दिखाने वाले हैं, जो फिल्म को एक अलग ही स्तर पर लेकर जाएगा।देवा 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस एक्शन थ्रिलर में शाहिद के साथ पूजा हेगड़े और पावेल गुलाटी भी अहम भूमिका में हैं।देवा बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल दिखाती है, यह तो आने वाला वक्त की बताएगा। बहरहाल, शाहिद के खाते में 2 और फिल्में हैं, जिन पर खूब चर्चा हो रही है।वह निर्देशक विशाल भारद्वाज की एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। एक्शन फिल्म अर्जुन उस्तरा में दोनों साथ दिखाई देंगे, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है।शाहिद के खाते से फिल्म अश्वत्थामा भी जुड़ी है।

साउथ फिल्म मार्को ने रचा इतिहास

बनी ऐसी पहली मूवी, एक-एक सीन पर कांप उठेगी रूह

साउथ सिनेमा फिल्म इंडस्ट्री पर एक बार फिर कब्जा करता दिख रहा है। बॉलीवुड से कंटेंट और एक्शन के मामले में बहुत आगे जा चुका साउथ सिनेमा अब पीछे मुड़कर नहीं देखने वाला है। टॉलीवुड (तेलुगू), कॉलीवुड (तमिल), सैंडलवुड (कन्नड़) और मॉलीवुड (मलयालम) 21वीं सदी में एक से एक धांसू फिल्म दे रहे हैं। इसकी बड़ी शुरुआत एस.एस राजामौली की तेलुगू फिल्म बाहुबली- द बिगनिंग से हुई थी। इसके बाद से साउथ सिनेमा हिंदी पट्टी के दर्शकों के लिए मास एंटरटेनर बन गया है. अब मलयालम सिनेमा की इस फिल्म ने इतिहास रच दिया है। इस फिल्म को देखने के बाद किसी की भी रुह कांप उठेगी।145 मिनट की इस फिल्म का नाम मार्को है, जिसे महज 30 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है। मॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर हनीफ अडेनी ने इस फिल्म को लिखा और खुद डायरेक्ट किया है. फिल्म मार्को की सिनेमैटोग्राफी चंद्रू सेल्वराज ने की है. फिल्म रवि बसरूर का म्यूजिक है। बीती 20 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई फिल्म मार्को को सेंसर बोर्ड ने मारकाट वाली फिल्म करार दे इसे एडल्ट कैटेगरी (ए) का सर्टिफिकेट दिया था। मलयालम सिनेमा में ए कैटेगरी की मार्को पहली ऐसी फिल्म है, जिसने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। फिल्म की स्टारकास्ट में उन्नी मुकुंदन, सिद्दीकी, जगदीश, अभिमन्यू तिलाकन, कबीर दुहान सिंह और अन्सोन पॉल हैं. फिल्म में दिल दिहला देने वाले मारकाट के सीन दिखाए जा रहे हैं, जिसकी वजह से इस फिल्म को बड़ी टीआरपी मिल रही है। मार्को ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 28 दिन पूरे कर लिए हैं।

ऑफ शोल्डर ड्रेस में अवनीत कौर ने दिखाई दिलकश अदाएं

अवनीत कौर ने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत कर फैंस के बीच अच्छी-खासी पॉपुलैरिटी हासिल की है। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने बेहद ही सिजलिंग अंदाज में फोटोशूट करवाया है। उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट एंड सेक्सी अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।अवनीत कौर की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट कलर का ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल को कर्ली लुक में स्टाइल कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।अवनीत कौर की इन तस्वीरों को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 2 लाख 70 हजार से ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक कर दिए हैं।एक यूजर ने एक्ट्रेस अवनीत कौर की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है-सो स्वीट एंड लवली। दूसरे यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस लुक। तीसरे यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति से मिले डॉ. रमन,विधानसभा में प्रबोधन का न्योता दिया

रायपुर,20जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें विधानसभा में प्रबोधन के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस न्योते को स्वीकार किया और आगामी अप्रैल के पहले सप्ताह में छत्तीसगढ़ दौरे पर आने की सहमति दी।

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ

रायपुर,20 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत राज्य के 5,62,112 भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10,000 रुपये सालाना आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में लाभार्थियों को चेक वितरित करते हुए कहा कि यह योजना राज्य के भूमिहीन मजदूर परिवारों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक स्थिरता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

सीएम साय ने 103 परिजनों को सौंपें अनुकम्पा नियुक्ति-पत्र

स्वच्छता दीदियों के मानदेय में 800 रूपये की वृद्धि की घोषणा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित 'नगरीय विकास के सोपान' कार्यक्रम मैं शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एक तरफ जहां स्वच्छता दीदियों के मानदेय में ₹800 वृद्धि की घोषणा की तो वहीं 100 से अधिक परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपा।

जनसम्पर्क विभाग के 6 अधिकारियों का तबादला

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग

रायपुर,20 जनवरी 2025(ए)। राज्य सरकार ने जनसम्पर्क विभाग के कई अधिकारियों का तबादला किया है। जारी सूची में छह अधिकारियों के नाम शामिल है। जिनका ट्रांसफर किया गया है।

चाइनीज मांझे से मासूम की मौत

हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, मुख्य सचिव को जारी किया नोटिस

बिलासपुर,20जनवरी 2025(ए)। राजधानी रायपुर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से हुई मासूम बच्चे की मौत के मामले को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान में लिया है। कोर्ट ने इस मामले पर गहरी नाराजगी जताते हुए राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डबल बेंच ने सुनवाई के दौरान यह सवाल उठाया कि प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा बाजार में कैसे उपलब्ध हो रहा है।

वन स्टेट-वन इलेक्शन लागू करने वाला पहला राज्य बना छत्तीसगढ़

चुनाव सुधार की दिशा में साय सरकार निकली आगे...

रायपुर,20जनवरी 2025(ए)। वन स्टेट-वन इलेक्शन लागू करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य बन गया है। आज राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान किया, जिसमें एक ही आचार संहिता में छत्तीसगढ़ में पहली बार शहर और गांव दोनों का चुनाव कराने की घोषणा की गई। निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने साय सरकार ने कमेटी गठित की थी। उसके सुझाव के बाद एक ही आचार संहिता में चुनाव कराने की घोषणा की गई है।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय के चुनाव एक चरण में होंगे। वहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तीन चरणों में होगा, जो 17, 20 और 23 फरवरी 2025 को होगा।

नगरीय निकाय चुनाव की तारीख

11 फरवरी को मतदान होगा.
एक ही चरण में नगरीय निकाय चुनाव कराया जाएगा.
22 जनवरी से नॉमिनेशन से शुरुआत होगी.
31 जनवरी को नाम वापसी तक का समय रहेगा.
15 तारीख को मतगणना होगी.

तीन चरणों में होगा पंचायत चुनाव

27 जनवरी से 3 फरवरी तक नॉमिनेशन होगा.
17, 20 और 23 फरवरी को मतदान होगा.

कमेटी ने एक साथ चुनाव कराने की थी सिफारिश

स्थानीय चुनाव एक साथ कराने की संभावना पर विचार करने और सुझाव देने के लिए राज्य सरकार ने आईएएस ऋचा शर्मा की अध्यक्षता में अफसरों की कमेटी बनाई थी। इसमें अध्यक्ष सहित पांच अफसर थे। इस कमेटी के गठन का आदेश 4 अगस्त को जारी हुआ था। इस कमेटी ने अक्टूबर में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी. कमेटी ने दोनों चुनाव एक साथ कराए जाने की सिफारिश करते हुए कहा था कि दोनों चुनाव एक साथ कराए जाने से धन और मैन पावर दोनों की बचत होगी।

नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ में आदर्श आचार संहिता लागू

छत्तीसगढ़ में 2025 के विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य के सभी विभाग प्रमुखों, संभाग आयुक्तों और कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं। यह आचार संहिता प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी बनाने के लिए लागू की गई है।

शासकीय कर्मचारियों से अपेक्षित आचरण

आचार संहिता के तहत,शासकीय कर्मचारियों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान पूरी तरह से निष्पक्ष और निष्कलंक रहना अनिवार्य है। उन्हें किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार का पक्ष नहीं लेना चाहिए। कर्मचारियों को चुनाव प्रचार में भाग नहीं लेना चाहिए और न ही किसी अभ्यर्थी के पक्ष में काम करना चाहिए। इसके अलावा, कोई भी शासकीय कर्मचारी चुनाव अभिकर्ता, मतदान अभिकर्ता या गणना अभिकर्ता के रूप में कार्य नहीं कर सकता है।

मंत्रियों के कार्य और यात्रा संबंधी निर्देश

मंत्री यदि जिले में शासकीय भ्रमण पर आते हैं तो उन्हें सर्किट हाउस या विश्राम गृह में ठहरने के दौरान केवल आवश्यक अधिकारी ही उपस्थित होंगे, लेकिन यदि मंत्री किसी निजी घर में ठहरते हैं तो कोई अधिकारी नहीं जाएगा। यदि मंत्री सरकारी आवास पर ठहरते हैं तो सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जबकि निजी आवासों पर सुरक्षा की व्यवस्था नहीं की जाएगी। चुनावी अवधि के दौरान मंत्री किसी चुनावी क्षेत्र में शासकीय दौरे पर नहीं जाएंगे और चुनाव प्रचार से संबंधित कोई सभा आयोजित नहीं करेंगे।

निर्वाचन प्रचार पर प्रतिबंध

चुनाव प्रचार में लाउडस्पीकर का उपयोग नियंत्रित किया जाएगा ताकि यह आम जनता की शांति में व्यवधान न डाले। छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पालन किया जाएगा। चुनाव प्रचार के दौरान सरकारी या निजी संपत्ति को विकृत करने वाली गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वाहनों की व्यवस्था

चुनाव कार्यों के लिए पर्याप्त संख्या में वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। ये वाहन चुनाव सामग्री और कर्मचारियों की आवाजाही के लिए उपयोग में लाए जाएंगे। सभी विभागों से वाहन सूची तत्काल कलेक्टर को भेजने को कहा गया है। चुनाव कार्य में कोई बाधा न आए, इसके लिए विभागीय वाहनों की समय पर मरम्मत सुनिश्चित की जाएगी।

पेट्रोल/डीजल की व्यवस्था

चुनावों के दौरान वाहनों का बड़े पैमाने पर उपयोग होगा, इसलिए पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। कलेक्टर पेट्रोल और डीजल के स्टॉक की स्थिति की समीक्षा करेंगे और जहां जरूरत होगी, वहां पेट्रोल-डीजल की व्यवस्था की जाएगी।

विश्राम गृहों में आरक्षण

चुनाव प्रक्रिया के दौरान चुनाव कार्य से जुड़े अधिकारियों के लिए विश्राम गृहों में कमरे आरक्षित किए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य अधिकारियों के लिए प्राथमिकता से कक्ष उपलब्ध कराए जाएंगे।

कर्मचारियों की नियुक्ति और अवकाश

कलेक्टर चुनाव कार्य के लिए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की सेवाएं ले सकते हैं। हालांकि, चिकित्सकों, पुलिस और अन्य विभागों के कर्मचारियों को चुनाव कार्य के लिए नहीं लगाया जाएगा। चुनाव कार्य में लगी कर्मचारियों को अवकाश नहीं दिया जाएगा, सिवाय इसके कि जब बहुत जरूरी हो।

निर्वाचन अवधि में प्रचार पर प्रतिबंध

मंत्रियों और अन्य प्राधिकारियों को निर्वाचन की घोषणा से लेकर परिणाम घोषित होने तक किसी भी प्रकार के अनुदान, आश्वासन या विकास कार्यों की घोषणा नहीं करनी चाहिए। शासकीय संसाधनों का उपयोग चुनाव प्रचार के लिए सत्ताधारी दल या उनके उम्मीदवारों के पक्ष में नहीं किया जाएगा।

निर्वाचन से जुड़े अन्य प्रतिबंध

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार द्वारा नए विकास कार्य शुरू नहीं किए जाएंगे और जो कार्य पहले से स्वीकृत हैं, उन्हें भी फिलहाल स्थगित रखा जाएगा। चुनाव प्रचार में छत्तीसगढ़ राज्य या केंद्र सरकार की संस्थाओं का खर्चीला प्रचार नहीं किया जाएगा। किसी भी प्रकार के प्रचार के लिए सरकारी खर्च का उपयोग नहीं होगा।

कानून-व्यवस्था की स्थिति

आचार संहिता लागू होते ही चुनावी क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे। किसी भी प्रकार की हिंसा, धमकी या अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

प्रर्दशन कर रहे बीएड सहायक शिक्षकों ने पुलिसकर्मियों पर लगाए गंभीर आरोप

» फाड़ दिए कपड़े किया बैड टच

» फिर जोर जबर्दस्ती कर ठूंस दिए बस में

रायपुर,20जनवरी 2025(ए)। समायोजन की मांग लेकर आंदोलन कर रहे बीएड सहायक शिक्षकों ने राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब के सामने प्रदर्शन किया। बताया जा इस दौरान सहायक शिक्षकों के परिजन भी मौजूद थे। वहीं, प्रदर्शनकारियों पर सख्ती दिखाते हुए पुलिस की टीम ने उन्हें मौके से हटाया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस दौरान उनके साथ पुलिसकर्मियों ने बदसलूकी है। इतना ही नहीं महिला प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनके कपड़े फाड़े और बैड टच किया।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार देर रात पुलिस की टीम ने प्रदर्शनकारी बीएड सहायक शिक्षकों को मौके से हटाया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें बलपूर्वक बस में बैठाया। बताया जा रहा है कि प्रर्दशनकारियों को बस में बैठाने के दौरान कई लोगों को चोट भी आई है, जिसके बाद कई सहायक शिक्षकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षकों को लेकर सीएम साय का बड़ा बयान, कहा:नौकरी बहाली को लेकर प्रक्रिया जारी है...

छत्तीसगढ़ में बर्खास्त बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षकों को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम भी नहीं चाहते की उनकी नौकरी जाए, लेकिन जो भी होगा वह नियम और प्रक्रिया से होगा। सीएस की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है. उनकी सिफारिश के बाद सरकार निर्णय लेगा।

कांग्रेस की चुनावी तैयारी पूरी

» हम नगरीय निकाय एवं पंचायत दोनों में जीतेंगे : दीपक बैज

रायपुर,20जनवरी 2025(ए)। पंचायतों एवं नगरीय निकाय चुनाव कार्यक्रम घोषित होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस की चुनावी तैयारियां पूरी है। हमें भरोसा है चुनाव में जनता का आर्शिवाद कांग्रेस पार्टी को मिलेगा। हमारे प्रभारी, पर्यवेक्षक वार्डो में बैठकें ले रहे है। हम मजबूती से चुनाव लड़ेंगे।

सड़क हादसे में दंपति की मौत,दो बच्चे गंभीर

बालोद-रायपुर,20जनवरी 2025(ए)। जिले में आज दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, ग्राम मनकी के रामायण मंडली के सदस्य रामचरित मानसगान का कार्यक्रम देकर वापस अपने गांव लौट रहे थे तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में पति-पत्नी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल हुए हैं। मृतक दंपत्ति के दोनों बच्चों की हालत भी गंभीर है। यह घटना देवरी थाना क्षेत्र के मुजगहन और खामतराई गांव के बीच हुई.घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक, रामचरित मानस मंडली के लोग कार्यक्रम देने के बाद स्कॉर्पियो में सवार होकर अपने गांव मनकी लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में मनकी गांव के निवासी पुरषोत्तम यादव 43 वर्ष और उनकी पत्नी जानकी यादव 40 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के दोनों बच्चे हर्ष यादव और वीणा यादव गंभीर रूप से घायल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

युवक ने युवती पर केरोसिन डालकर लगा दी आग

गरियाबंद,20जनवरी 2025(ए)। इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है दुष्कर्म के प्रयास में असफल होने पर एक व्यक्ति ने युवती को केरोसीन डालकर आग के हवाले कर दिया। मामला छुरा थाना क्षेत्र का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी चम्पेश्वर ने पीड़िता के घर में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी गुस्से में आ गया और पास में रखे केरोसीन को पीड़िता पर डालकर आग लगा दी।

पीड़िता को तुरंत नजदीकी हस्पताल छुरा ले जाया गया, जहां उनकी स्थिति को देखते हुए जिला हस्पताल गरियाबंद रिफर किया गया जिसके बाद उन्हें महासमुंद व रायपुर के के डिकेएस हस्पताल में भर्ती कराया गया जहां मौत से लड़ते हुए 6 दिन बाद प्राण त्याग दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। छुरा थाना प्रभारी दिलीप मेश्राम ने बताया कि आरोपी पर दुष्कर्म के प्रयास, हत्या के प्रयास और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

स्कूल बस और ट्रक की भीषण भिड़ंत,2 की मौत, 12 बच्चे घायल

कोंडागांव,20 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव के नेशनल हाईवे 30 पर सोमवार

को दर्दनाक सड़क हादसे की खबर आ रही है। जहां एक स्कूली बच्चों से भरी बस की ट्रक से भिड़त हो गई। इस हादसे में बस में ड्राइवर और एक शिक्षक की मौत हो गई है, वहीं, 12 बच्चे घायल हुए हैं। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसमें 4 बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मंदिर के पास विचरण करती नजर आई बाघिन

बिलासपुर,20जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की सीमा पर जलेश्वर धाम में बाघिन की मौजूदगी ने स्थानीय निवासियों और दुकानदारों में भय और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज में बाघिन को दुर्गा मंदिर और अन्नपूर्णा मंदिर के आसपास देखा गया, जो जंगल से सटे इस क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी का संकेत देता है। बाघिन ने कुत्ते और गाय का शिकार किया, जिससे ग्रामीण सतर्क हो गए और

वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निगरानी बढ़ाई है और बाघिन की गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)